राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, दिल्ली, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मेरठ, हापुड़ बिजनौर आदि जनपदों में प्रसारित

दैनिक
हिन्दी समाचार पत्र
जनता की खोज
R.N.I No.UPHIN /2012/46072
हर खबर, आप तक.....

02 2027 में भाजपा बड़े बहुमत से सरकार बनाएगी,..
रैपर किंग की बहन बनने को तैयार पलक तिवारी, ... 08

गौतमबुद्धनगर, शनिवार 01 मार्च 2025 | Email Id :Jantakikhoj2021@gmail.Com | वर्षः 12, अंकः 229 मूल्य 1 रुपये, पृष्ठ-08

बिजनेस और टेक्नोलॉजी से तय होगा नया वर्ल्ड ऑर्डर, भारत को निभानी होगी अहम भूमिका : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत को 'ग्लोबल रीसेट में अहम भूमिका अदा करनी होगी, क्योंकि नया वर्ल्ड ऑर्डर किसी भी विकसित देश द्वारा नहीं निर्धारित किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया इवेंट में वित्त मंत्री ने कहा, विकसित देशों के पास निवेश के लिए पैसा है, लेकिन वह भी उनके लिए पर्याप्त नहीं होगा। बिजनेस और टेक्नोलॉजी नए वर्ल्ड ऑर्डर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और भारत को इसमें भाग लेने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को ग्लोबल रीसेट में सार्थक योगदान देने के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में ऊपर बढ़ने और वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने वाला एक व्यावसायिक गंतव्य बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करना होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि टेक्नोलॉजी की प्रगति के मामले में भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। हम टेक्नोलॉजी के कई पहलुओं में अग्रणी हो सकते हैं। हमने दुनिया को साबित कर दिया है कि जहां भी टेक्नोलॉजी की तैनाती का सवाल है,

हम इसे बड़े पैमाने पर करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत उन मित्रों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ा सकता है जिनके साथ हम अपने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि बहुपक्षीय संस्थाएं और उनका योगदान खत्म होता जा रहा है। इस कारण से अब कई देशों के लिए द्विपक्षीय एजेंडा सबसे ऊपर है।उन्होंने कहा कि भारत को न केवल व्यापार और निवेश के लिए बल्कि रणनीतिक संबंधों के लिए भी देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने देश के राज्यों को आर्थिक सुधारों पर जोर देने के लिए कहा। राज्य भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं जो हमें आगे ले जाएंगे। इस कारण सुधार सिर्फ केंद्र सरकार के लिए एजेंडा नहीं हो सकता, इसे हर राज्य सरकार को गंभीरता से लेना होगा।

हिमाचल प्रदेश में मंदिरों से पैसा मांग रही कांग्रेस सरकार, भाजपा इस फैसले के खिलाफ : जयराम ठाकुर

शिमला । हिमाचल प्रदेश में मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों की धनराशि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए सरकार पर आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म का विरोध करने के साथ-साथ मंदिरों की धनराशि का उपयोग अपनी योजनाओं के लिए करना चाहती है। इस निर्णय के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मोर्चा खोल दिया है और आम जनता से भी इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया है।

जयराम ठाकुर ने अपने बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है, जिसमें मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों से धनराशि सरकारी खजाने में जमा करने को कहा गया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं, जैसे कि सुखाश्रय योजना और सुख शिक्षा योजना, चलाई जा सकें। ठाकुर के अनुसार, यह कदम बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। उनका कहना है कि पहले कभी किसी सरकार ने मंदिरों या ट्रस्टों के धन का इस्तेमाल अपनी योजनाओं के लिए नहीं किया।

उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में कुल 36 मंदिर सरकारी नियंत्रण में आते हैं, और सरकार ने इन मंदिरों से धनराशि प्राप्त करने के लिए न केवल आदेश दिया है बल्कि बार-बार उसका फॉलो-अप भी लिया जा रहा है जिसमें शीघ्र धनराशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी आपदा के समय सरकार द्वारा मंदिरों और ट्रस्टों की धनराशि का उपयोग करने का औचित्य फिर भी समझ में आता है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान या प्राकृतिक आपदाओं (जैसे बाढ़ और भूस्खलन) के समय, जब लोगों की जान बचाने और राहत कार्यों के लिए धनराशि की आवश्यकता थी। लेकिन इस बार सरकार मंदिरों से प्राप्त धनराशि का उपयोग अपनी सामान्य योजनाओं को चलाने के लिए कर रही है, जो एक नीतिगत रूप से गलत कदम है।

ठाकुर ने सरकार पर सनातन धर्म विरोधी रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार सनातन धर्म और हिंदू परंपराओं का विरोध करती है, तो दूसरी ओर मंदिरों से धनराशि लेकर अपनी योजनाओं को पूरा करना चाहती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेताओं ने हाल ही में संपन्न महाकुंभ में शामिल होने से परहेज किया और इसे लेकर कई नकारात्मक टिप्पणियां भी कीं।

ठाकुर ने मुख्यमंत्री के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 90 प्रतिशत से अधिक हिंदू आबादी वाले राज्य में उन्होंने हिंदूवादी पार्टी को हराया। यह सब सरकार की नीतियों में विरोधाभास को दशार्ता है।

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी घोषणा की कि भाजपा इस फैसले का विरोध विधानसभा के भीतर और बाहर दोनों जगह करेगी। उन्होंने कहा कि आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा और सरकार के इस कदम के खिलाफ सशक्त विरोध दर्ज किया जाएगा।

उन्होंने धार्मिक ट्रस्टों, मंदिर समितियों और आम जनता से भी अपील की कि वे इस फैसले का पुरजोर विरोध करें। उनका मानना है कि यह फैसला न केवल विवादास्पद है, बल्कि जनता के बीच सरकार की छवि को भी नुकसान पहुंचा रहा है।

उनके अनुसार, सरकार के पास कर्मचारियों के वेतन और पेंशन देने के लिए धन नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसने कई नई गारंटियां दी हैं और पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की योजनाओं को बंद कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दी देशवासियों को बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान का लाभ उठाने की अपील की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विज्ञान के प्रति जुनूनी लोगों, खास कर हमारे युवा अन्वेषकों (यंग इनोवेटर्स) को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शुभकामनाएं। आइए, विज्ञान और नवाचार को लोकप्रिय बनाते रहें और विकसित भारत के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाएं।

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा कि इस महीने के 'मन की बातइ के दौरान, 'एक दिन वैज्ञानिक के रूप मेंइ के बारे में बात की थी, जहां युवा किसी न किसी वैज्ञानिक गतिविधि में हिस्सा लेते हैं। पीएम मोदी के अलावा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने इस संबंध में एक्स पोस्ट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर महान भौतिक विज्ञानी सी.वी रमन को याद किया। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में सी.वी रमन द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान का भी जिक्र किया। कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व शोध रमन प्रभाव के लिए उन्हें 1930 में एशिया में किसी भी विज्ञान स्ट्रीम के लिए भौतिकी के लिए प्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि हमारा देश वैज्ञानिक नवाचार का केंद्र रहा है, सर सी.वी. रमन ने 1928 में इसी दिन रमन प्रभाव की खोज की थी, तथा अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए इसरो के कई मिशनों ने लगातार ज्ञान और सीखने की सीमाओं को आगे बढ़ाया है। बता दें, हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन सीवी रमन ने रमन इफेक्ट की घोषणा की थी। महत्वपूर्ण खोज के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संभल में जामा मस्जिद की केवल साफ-सफाई की जाएगी: हाईकोर्ट ने लिया फैसल

प्रयागराज । संभल में स्थित जामा मस्जिद की केवल साफ-सफाई की जाएगी; सफेदी और मरम्मत नहीं की जाएंगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने फोटो ग्राफ सहित रिपोर्ट दाखिल करते हुए कहा कि सफेदी की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याचिकाकर्ता को रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है और एएसआई से सोमवार तक हलफनामे सहित रिपोर्ट

प्रस्तुत करने को कहा है। अगली सुनवाई 5 मार्च को तय की गई है। एएसआई ने बताया कि संरक्षित स्थल पर सफेदी या मरम्मत की अनुमति नहीं दी जा सकती। मंदिर पक्ष ने सफाई मरम्मत की आड़ में साक्ष्यों में छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए इस प्रक्रिया का विरोध किया था। पूर्व में, एएसआई ने जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी की अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके बाद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गुरुवार को एएसआई की तीन सदस्यीय समिति गठित कर शुक्रवार को रिपोर्ट मांगी थी। राज्य सरकार और मंदिर पक्ष ने भी इस याचिका का विरोध किया है।

सुक्खू ने मंडी में नौ परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास किया

शिमला । हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को मंडी के द्रंग और सदर के लिए 46.82 करोड़ रुपये की लागत की नौ विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। सुक्खू ने जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए 'अपना पुस्तकालयइ कार्यक्रम के तहत नेरचौक और पधर में एक-एक पुस्तकालय का लोकार्पण भी किया। उन्होंने द्रंग विधानसभा क्षेत्र में 5.28 करोड़ रुपये की लागत से सब मार्केट यार्ड, टकोली के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण कार्य, मंडी-कमांद-कटौला-बजौरा सड़क पर कमांद में उहल नदी पर 12.44 करोड़ रुपये लागत से निर्मित पुल का उद्घाटन किया। उन्होंने क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला मंडी में 1.33 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित डीएनए ब्लॉक का लोकार्पण किया। उन्होंने मंडी से बीर-लाग तथा बाड़ी-गुमाणु सड़क पर 2.08 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गरूड़ नाला एवं गणपति नाला डबल लेन पुल तथा रंधाड़ा से अलाथु वाया चचोला सड़क पर 3.15 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल और मंडी में 3.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित खंड विकास कार्यालय भवन का उद्घाटन भी किया।

सुक्खू ने विश्वकर्मा मंदिर मंडी के पास 1.55 करोड़ रुपये की लागत से भू-स्खलन शमन कार्यों, वल्लभ राजकीय डिग्री कॉलेज मंडी के विभिन्न खंडों में 12 करोड़ रुपये की लागत से भूकंप रेट्रोफिटिंग के कार्य तथा 5.18 करोड़ रुपये की लागत के सिक्कन मठ से कसान वाया मोरेगालू सड़क का शिलान्यास किया।

वुड स्टार फर्नीचर

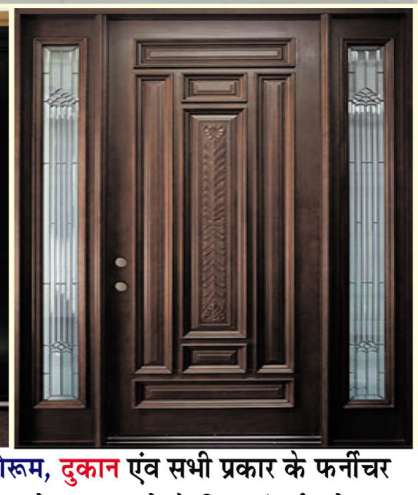

विन्डो, अलमारी, डोर, किचन, एलमुनियम, शोरूम, दुकान एंव सभी प्रकार के फर्नीचर आदि कार्यो के लिए विद मेटेरियल एंव लेबर रेट पर कराने के लिए संपर्क करे

उस्मान सैफी (ठेकेदार) 9319850694

पता:- गुरूद्वारा रोड, किदवाई नगर मोदीनगर (गाजियाबाद)

बदलाव

यूट्यूब करने जा रहा बड़े बदलाव,

अब वीडियो पर नहीं आएगी ऐड, क्रिएटर्स को मिलेंगे अधिक पैसे

नई दिल्ली। यूट्यूब अब ऐड्स दिखाने की पॉलिसी को बदलने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार ये बदलाव 12 मई से होने जा रहे है। जिसके बाद यूट्यूब पर वीडियो स्ट्रीमिंग का एक्सपीरियंस पहले से बेहतर हो जाएगा।

वीडियो में डायलॉग या सीन के बीच में ऐड्स नहीं आएंगे। यूट्यूब के मुताबिक, जल्द ही यूजर्स को ऐड्स की परेशानी कम लगेगी। मई से नैचुरल ब्रेकप्वाइंट पर ही ऐड्स नजर आएंगे। इसे आप ऐसे समझें- जैसे अभी तक आप कोई भी वीडियो देखते थे तो बीच में कभी भी और कहीं भी ऐड्स आने लगती हैं। लेकिन कंपनी इसे बदल रही है। यूट्यूब अब किसी सीन या डायलॉग के बीच ऐड्स नहीं दिखाएगा। इन ऐड्स को किसी सीन के ट्रांजिशन या पॉज पर प्लेस कर दिया जाएगा। यूट्यूब ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि वीडियो के दौरान आने वाली ऐड्स से यूजर्स का मजा खराब होता था। जिसकी वजह से यूट्यूब पर वीडियो स्ट्रीमिंग एक्सपीरियंस खराब हो रहा था। कंपनी की पोस्ट के मुताबिक, इस बदलाव से वीडियो पर व्यूज ज्यादा आएंगे। जिसकी वजह से क्रिएटर्स की कमाई बढ़ जाएगी।

बता दें, हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस 1930 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था

यूट्यूब का बदला हुआ फीचर मई से पुराने वीडियोज पर शुरू किया जाएगा। कंपनी पुराने वीडियो पर भी मिड-रोल ऐड्स को एडजस्ट करने वाली है। ऐसे में जो क्रिएटर्स ऐड्स की प्लेसमेंट पर अपना कंट्रोल चाहते हैं वो यूट्यूब स्टूडियो में जाकर कर सेटिंग कर सकते हैं। उन्हें 12 मई से पहले इसे ऑप्ट-आउट करना होगा। इसी के साथ यूट्यूब इस बदलाव से क्रिएटर्स की मदद भी करने वाला है। कंपनी मिड-रोल एड के लिए मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों तरीकें मिक्स करने की प्लानिंग कर रहा है। क्रिएटर्स नए तरीके का इस्तेमाल करेंगे तो उन्हें मैनुअल प्लेसमेंट पर डिपेंड नहीं रहना होगा। इसके अलावा वो मैनुअल प्लेसमेंट वाले क्रिएटर्स की तुलना में 5 प्रतिशत ज्यादा कमाई कर सकेंगे। यही नहीं यूट्यूब क्रिएटर्स के लिए एक टूल भी लाएगा। इस टूल से क्रिएटर्स को पता चल सकेगा कि ऐड्स प्लेसमेंट से व्यूइंग एक्सपीरियंस कैसा चल रहा है।

2027 में भाजपा बड़े बहुमत से सरकार बनाएगी, सपा का भविष्य अंधकार में : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा तीसरी बार 2017 की तरह बड़े बहुमत से बनने जा रही है। सपा का भविष्य अंधकार में है। उसकी नाव में बड़ा छेद है।

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि 2027 में भाजपा तीसरी बार बड़े बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। सपा की नाव में छेद है इसलिए सभी इसमें से उतरकर भाग रहे हैं। समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी हो रही है।

उन्होंने कांग्रेस के अभियान के बारे में कहा कि वह चाहे जितनी सभाएं कर ले, उसका खाता नहीं खुलने जा रहा है। दिल्ली की सीएजी की रिपोर्ट में मोहल्ला क्लिनिक में बेसिक चीजों के अभाव के बारे में केशव ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने ईमानदारी के नाम पर जितनी बड़ी बेईमानी की है, भारत के इतिहास में दूसरा कोई ऐसा उदाहरण नहीं है। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी 2027 विधानसभा को लेकर अपनी तैयारियों में तेजी से जुटी है। सपा मुखिया हर दिन जिलों से अलग-अलग लोगों से मिलकर अभी से तैयारी के लिए जुटने को कह रहे हैं। वह लगातार सरकार की योजनाओं को लेकर भी घेर रहे हैं। कुंभ के आयोजन में भी सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दो मिनट का मौन न सही, महाकुंभ में इतनी बड़ी बात लिखते समय दो शब्द मृतकों और लापता लोगों के लिए भी लिख देते। सच को छुपाना अपराधबोध की निशानी होती है। उन्होंने एक अन्य एक्स पोस्ट पर लिखा कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि महाकुंभ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कई लाख करोड़ की कमाई हुई है। इस बात को सच मानते हुए माननीय मुख्यमंत्री से ये निवेदन है कि वह पुरातन परंपरा का निर्वहन करते हुए इस धन का कल्याणकारी सदुपयोग करें क्योंकि परंपरा कुंभ से धन कमाने की नहीं बल्कि अर्जित धन को दान करने की रही है।

उन्होंने कहा कि इस अर्जित धन में से ही मृतकों के परिजनों को क्षतिपूर्ति और घायलों के उत्तम उपचार के लिए धन का प्रबंध किया जाए। इसमें से कुछ पैसा जो हजारों लोग लापता हैं, उनको खोजने और घर पहुंचाने के लिए बचाकर रख लेना चाहिए। इस अकूत कमाई में से ही उन दुकानदारों के घाटे की पूर्ति की जाए, जिन्होंने सरकार की बदइंतजामी की वजह से मेले में दुकान लगाकर घाटा उठाया है। इसमें से कुछ रकम समस्त मेलाकर्मियों को होली के बोनस के रूप में देने की घोषणा करनी चाहिए।

अखिलेश ने आगे कहा कि माननीय को महादानी सम्राट हर्षवर्धन से प्रेरणा लेते हुए अधिकांश धन प्रयागराज के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दान कर देना चाहिए। लाखों-करोड़ों की इस राशि में से कुछ पैसा 'सत्य बोलने की प्रेरणाइ देने वाले और 'नैतिकताइ सिखाने वाले किसी 'आत्म सुधारइ के सत्यनिष्ठ संस्थान के निर्माण के लिए देना चाहिए।

सरस आजीविका मेला-2025 में आठवें दिन रही हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े उत्कृष्ट उत्पादों की धूम

जनता की खोज

नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहयोग से नोएडा हाट, सेक्टर-33ए में आयोजित 5वें सरस आजीविका मेले के आठवें दिन शुक्रवार को "एसएचजी के लिए प्रभावी बिक्री संचार रणनीति" विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रभावी संचार रणनीतियों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रोफेसर डॉ. सुभाष धूलिया ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

सत्र के मुख्य वक्ता और आईआईएमसी के प्रोफेसर डॉ. सुभाष धूलिया ने एसएचजी की महिलाओं को संचार के महत्व पर विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा, "बिक्री के लिए उत्पाद की गुणवत्ता के साथ-साथ संचार रणनीति भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्राहकों के साथ आपका संवाद कैसा है, यह उन्हें खरीदारी के लिए प्रेरित करता है। भाषा से ज्यादा आपका मधुर व्यवहार और आत्मविश्वास मायने रखता है।"

डॉ. धूलिया ने यह भी बताया कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में प्रभावी संचार के जरिए उत्पादों की बिक्री बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने महिलाओं को अपनी क्षेत्रीय भाषा में भी बेहतर संवाद करने की सलाह दी, क्योंकि यह ग्राहकों को जोड़ने का एक प्रभावी तरीका है।

राजेश्वरी एसएम ने दी विज्ञापन और प्रचार की सलाह
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की निदेशक राजेश्वरी एसएम ने इस अवसर पर कहा कि एसएचजी की महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए विज्ञापनों का सहारा लेना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपको अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए रचनात्मक तरीके अपनाने चाहिए। सरकार आपके बेहतर भविष्य और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम चाहते हैं कि आप सभी कुशल उद्यमी बनें।"

हथकरघा और साड़ियों की धूम

घूमने, खरीदारी, स्वादिष्ट व्यंजन और बच्चों के मनोरंजन का बेमिसाल संगम बना सरस मेला

मेले के आठवें दिन हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े उत्कृष्ट उत्पादों की खरीदारी ने लोगों का ध्यान खींचा।

राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट्स खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैं, बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपनी हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं।

इंडिया फूडकोर्ट का स्वादिष्ट आकर्षण

मेले में इंडिया फूडकोर्ट विभिन्न राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए भी लोकप्रिय रहा। फूडकोर्ट के कॉर्डिनेटर श्रयेष कश्यप ने बताया कि हर राज्य का अपना अलग मेन्यू है और यहां स्वच्छता एवं पवित्रता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिलाओं ने पूरी मेहनत और लगन के साथ व्यंजन तैयार किए और परोसे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया गया। आठवें दिन ऑर्ट ऑफ लिविंग के कलाकारों ने भजन संध्या की भक्तिमय प्रस्तुति से भगवान शिव का गुणगान किया। इससे पहले स्कूली बच्चों ने सामूहिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

13 टीमें, खोजी कुत्ते और ड्रोन, ऐसे पकड़ा गया बस में महिला से रेप का आरोपी दत्तात्रेय गाडे

पुणे । एक सनसनीखेज मामले में, पुणे बस बलात्कार के आरोपी दत्तात्रय गाडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गाडे पर 26 साल की एक युवती के साथ स्वारगेट बस स्टेशन पर एक बस में बलात्कार करने का आरोप है। गुरुवार को पुणे पुलिस ने शिरूर तहसील में ड्रोन और डॉग स्क्वाड लगाई थी ताकि गाडे को पकड़ा जा सके। गाडे को पकड़ने के लिए कम से कम 13 पुलिस टीमें बनाई गई थीं। वह पुणे के गुनट गांव का रहने वाला है। गाडे के खिलाफ पुणे और अहिल्यानगर जिलों में चोरी, लूट और चेन-स्नैचिंग के छह से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह 2019 से एक मामले में जमानत पर बाहर था। पुणे शहर और पुणे ग्रामीण पुलिस ने गुनट गांव में तलाशी शुरू की, जिसमें गन्ने के खेतों में ड्रोन और डॉग स्क्वाड का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी गांव में पहुंचे। रिपोर्ट के अनुसार, गाडे उस खेत में नहीं मिला जहां पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। हालांकि, पुलिस की तत्परता और लोगों के सहयोग से आखिरकार उसे धर दबोचा गया। दत्तात्रय

गाडे ने रात साढ़े दस बजे अपने रिश्तेदार महेश के घर का रुख किया। वहां पहुंचने पर उसने अपने रिश्तेदारों से एक बोतल पानी लिया और कहा कि उसने बहुत बड़ी गलती कर दी है। इसके साथ ही उसने आत्मसमर्पण करने की इच्छा भी जताई। इस बीच, रिश्तेदारों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गाडे वहां से चले गए, लेकिन पुलिस ने महेश के घर के आसपास के इलाके में तलाशी शुरू कर दी।पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद ली और गाडे द्वारा पहनी गई शर्ट को कुत्तों से सूंघवाया गया और खोज अभियान शुरू किया गया।

जनरल वीके सिंह की मेहनत फिर लाई रंग, गाजियाबाद को लगे विकास के पंख

जनता की खोज

गाजियाबाद। जनरल वी के सिंह जोकि मिजोरम राज्य के वर्तमान राज्यपाल हैं और पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद गाजियाबाद रहे हैं जिन्होंने विकास के मामले में गाजियाबाद की कायापलट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और आज भी वे गाजियाबाद की जनता के लिए दृढ़ता के साथ खड़े हैं। गाजियाबाद के विकास की डोर में एक और पंख लगाते हुए उन्होंने गाजियाबाद को एक और तोहफा दे दिया है। अपने सांसद कार्यकाल में उन्होंने हिंडन हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव बनवा कर यहाँ से सिविल उडान चलवाने का वायदा जनता से किया था । लेकिन GMR और एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (अअक) के मध्य चल रहे मतभेदों और कोर्ट मामले के चलते गाजियाबाद के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही थी। जनरल वी के सिंह जी ने कोर्ट के इस मामले को समाप्त करवाने में अहम भूमिका निभाई जिसमें उन्होंने GMR से कोर्ट केस वापस लेने के लिए आग्रह किया था और अब GMR ने केस वापस ले लिया है। परिणाम स्वरूप

हिंडन एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी का विस्तार करते हुए नए हवाई रूट चालू करवाए गए हैं । इसमें Air India Express की हिंडन से गोवा की सीधी फ्लाइट शामिल हो गई है और आने वाले दिनों में Akasha और Indigo की फ्लाइट भी शामिल की जाएंगी । उन्होंने लखनऊ, बनारस और प्रयागराज की फ्लाइट भी शामिल करने का आग्रह किया है जिसके स्वीकृत होने के पश्चात जनता उसका भी लाभ ले सकेगी। इसके पहले जनरल वी के सिंह द्वारा FlyBig की फ्लाइट हिंडन एयरपोर्ट से कनेक्ट करवाई गई थी। इसके साथ ही भूमि को प्सिविल एंक्लेव के लिये लीज पर दिलवाया गया ।प्लेन पार्क करने का स्थान जो वायुसेना की जमीन है की मरम्मत करवाई गई, जिससे सिविल फ्लाइट पार्क हो सकें और यात्रियों को इस सुविधा का भरपूर लाभ मिल सके । इन सबसे समय और पैसे की बचत के साथ हिंडन एयरपोर्ट से यात्रा और ज्यादा सुगम होने वाली है। माननीय राज्यपाल जनरल वी के सिंह जी का कहना है कि गाजियाबाद की जनता से उनका दिल का रिश्ता है, चाहे वे कहीं भी हों, गाजियाबाद के विकास और निस्वार्थ जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर इम्पैक्ट कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन

जनता की खोज

रामपुर। इम्पैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थूनापुर, भोट, जनपद रामपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय के छात्रों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही पोस्टर मेकिंग एवं मॉडल मेकिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने रचनात्मक विचार प्रस्तुत किए।

इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन की स्मृति में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान सर सी.वी. रमन की महत्वपूर्ण खोजों को चार्ट एवं अन्य प्रदर्शनियों के

माध्यम से प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कॉलेज के चेयरमैन डॉ. सुल्तान अहमद सैफी ने छात्रों के कार्यों की सराहना की और विज्ञान एवं नवाचारों के महत्व पर बल दिया।कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आसिम अहमद ने सर सी.वी. रमन के जीवन एवं उनकी महत्वपूर्ण खोजों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा, जिसमें उन्होंने विज्ञान के प्रति अपनी रुचि और समझ को विकसित किया।

इस अवसर पर कॉलेज एम०डी० सरताज अहमद, डॉ० दानिया अहमद, अनुप्रिया वशिष्ठ, नगमा बी, सी० लाल, मो० आसिम खान, डॉ० विक्की सैनी, सुशील कुमार,नगमा बी, डॉ० शाज़िया, डॉ० आशीष अग्रवाल, मो० आरिफ सैफी, शुवेब त्यागी, शिवम् चंद्र, अलीना खान, सूरज गंगवार, रूबी आशरा, रेहान नैय्यर, दीपेश कुमार अंशिका शर्मा, महताब अनवर, मो० आरिफ सैफी, आयुषी शर्मा, आदि मौजूद रहे।

मलिकजादा व गोपाल ठहाका को सृजन सम्मान

जनता की खोज

लखनऊ । यू पी प्रेस क्लब व उत्तर प्रदेश साहित्य सभा द्वारा 154 वां सृजन सम्मान व काव्य समारोह आज प्रेस क्लब में सम्पन्न हुआ। सृजन हिंदी सम्मान- गोपाल ठहाका व सृजन उर्दू सम्मान से वरिष्ठ शायर मलिकजादा जावेद को हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना, शिवशरण सिंह व आज के अध्यक्ष शलभ जी ने सम्मानित किया।

वयोवृद्ध कवि शिव भजन कमलेश के सान्निध्य व राजीव वर्मा वत्सल के संयोजन व निर्भय निश्छल के संचालन में वर्षा श्रीवास्तव की वाणी वंदना से प्रारंभ हुये कविसम्मेलन में अरविंद झा,योगी योगेश शुक्ल, रश्मि शफक, रेनु वर्मा, डॉ सुभाष गुरुदेव, महेश अस्थाना महेश, अशोक राठौर,बलभद्र त्रिपाठी, राजीव मिश्रा, प्रेम शंकर शास्त्री, आलोक रावत, मनमोहन बरकोटी, गायत्री जोशी, उमा फलक, पूजा श्रीवास्तव, सरोज आर्या, अशोक यादव, मनस्वी श्वेता, स्नेह दुबे, सत्यदेव दुबे, मधु पाठक मांझी आदि ने श्रेष्ठ काव्यपाठ किया।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने चलाया कुनबा बढ़ाव अभियान

जनता की खोज
अताउल्ला सैफी

मेरठ। प्रदेश भर में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने समर गार्डन स्थित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें प्रदेश भर से आए भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के पदाधिकारी का स्वागत किया गया और नव नियुक्त व्यक्तियों को संगठन का नियुक्ति पत्र देकर सदस्यता दिलाई, जिला अध्यक्ष अजय त्यागी ने जनता को संबोधित करते हुए बताया कि यह संगठन किसी पार्टी का संगठन नहीं है यह किसान मजदूर गरीबों की आवाज को बुलंद करने का संगठन है यह संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह जी के निर्देश अनुसार सभी पदाधिकारी और कार्यकताओं को किसान गरीब मजदूरों की आवाज को बुलंद करने का आश्वासन देता है मंडल अध्यक्ष अथर सिंह जी ने बताया कि हम सब हिंदू मुसलमान आपस में मिलजुल कर इस संगठन को ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेंगे, और अपने क्षेत्र की सभी समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचाने का काम करेंगे, क्षेत्र की सभी समस्याओं का समाधान कानून के दायरे में रहकर करेंगे इस संगठन को एक परिवार के समान बताया!

कार्यक्रम में मौजूद रहे, मंडल अध्यक्ष अतर सिंह ,मंडल उपाध्यक्ष विश्वास त्यागी, जिला अध्यक्ष अजय त्यागी, जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, सोनू सिंह जिला महामंत्री, रोहित शर्मा जिला महासचिव, संगठन सदस्य हुसैन अहमद सैफी, शहाबुद्दीन अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष, अब्दुल कादिर जिला उपाध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष मोहम्मद सुहैल, वार्ड उपाध्यक्ष मोहम्मद खालिद, व अन्य सैकड़ो की तादाद में लोगों ने संगठन को निष्पक्ष तौर

नगर पंचायत चेयरमैन ने किया 1.5 करोड़ की लागत के कार्यों का शुभारंभ

जनता की खोज
इनामुलहक फारूकी

जेवर। नगर पंचायत चेयरमैन नारायण माहेश्वरी ने शुक्रवार को कस्बे मे 1.5 करोड़ की लागत के कार्यों का शुभारंभ किया। चेयरमैन पहलवान नारायण माहेश्वरी ने बताया कि कस्बे मे लगातार विकास किया जा रहा है, जो उन्होंने जनता से वादा किया था वह उसको पूरा कर रहे हैं। कस्बे मे दो साल मे करीब 20 करोड़ की लगात से विकास कार्य कराये जा चुके हैं। 190 सड़कों का निर्माण कार्य हुआ है और जल्द ही सौ और सड़को का निर्माण कार्य कराया जायेगा। नगर पंचायत मे राज्य वित्त व 15वा वित्त से प्राप्त धनराशि लगभग 1.5 करोड़ की लागत के शुक्रवार को कस्बे मे 6 नई बन रही सड़कों का शुभारम्भ किया। वही वैना रोड स्थित प्राइमरी स्कूल खस्ता हाल हो रहा था, जिसकी शिकायत लेकर वहां के लोग उनके पास पहुंचे थे, जिसपर उन्होंने प्राइमरी स्कूल मे नल, सबमर्सिबल, पीने के पानी की टंकी, टाइल्स, बाउंड्री, प्लास्टर, नए कमरे, पेड़ पौधे आदि कार्य कराये और इसका भी शुक्रवार को लोकापर्ण किया गया। स्थानीय लोगो नें नगर पंचायत चेयरमैन का ढ़ोल नगाड़े बजाकर, फूल मालाओं से व पगड़ी बांधकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर शेरसिंह, रामवीर सिंह जोशी, पदम सिंह, राजकुमार चौधरी, योगी शर्मा, चौकडात आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गैर संप्रदाय की युवती से दोस्ती कर रेप का आरोपी गिरफ्तार

जनता की खोज

सिकंदराबाद। क्षेत्र में गैर संप्रदाय की युवती से फेस बुक के जरिए दोस्ती की, फिर प्यार हुआ और फिर शुरू हुआ शादी का झांसा देकर रेप करने का सिलसिला सीओ०सिकंदराबाद ने बताया कि पीड़िता ने सूफियान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। पुलिस ने आरोपी सूफियान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त विवरणनुसार सिकंदराबाद निवासी सूफियान की फेस बुक पर एक गैर संप्रदाय की युवती से दोस्ती ऐसी हुई कि वह प्यार में बदल गई। फोन पर घंटों तक मोहब्बत भरी बातें करने के दौरान दोनों की मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ। आरोप है कि शादी का ख्वाब दिखाकर युवक ने युवती से संबंध बनाए तथा उसका वीडियो भी बनाया लेकिन जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने युवती की वीडियो वायरल करने की धमकी दे डाली। मामले को लेकर सिकंदराबाद पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की थी। सीओ०पूर्णिमा सिंह ने बताया कि सिकन्द्राबाद पुलिस ने आरोपी सूफियान पुत्र रहीश निवासी सिकन्द्राबाद को गिरफ्तार जेल भेज दिया है। तथा तलाशी लेने के दौरान आरोपी के कब्जे से एक चाकू भी पुलिस ने बरामद किया है।

उर्दू भाषा मौहब्बत, भाईचारा और तहजीब की निगहबान है, उर्दू पत्रकारिता के विकास में अल जमीयत अखबार की अहम भूमिका

जनता की खोज

बुलंदशहर। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के अंतर्गत रिसर्च स्कॉलर साजिद अली को उर्दू में 'उर्दू पत्रकारिता और अखबार अल जमीयत' विषय पर पीएचडी की डिग्री प्रदान करने पर एक मुबारकबादी जलसे का आयोजन ऊपरकोट काली मस्जिद के मदरसा कासिमया अरबिया इस्लामिया में किया गया। जिसकी सदारत हाजी नूर मौहम्मद कुरैशी ने की और संचालन डॉक्टर जहीर अहमद खान ने किया।

बुलंदशहर में आयोजित 'शुक्रिया सभा' में वक्ताओं के विचार

जलसे का आगाज मस्जिद अहले हदीस के इमाम हाफिज शकील अहमद ने कुरान के पवित्र पाठ से किया और नाते पाक चाहत हुसैन ने पेश की। जलसे में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ इरशाद अहमद स्यानवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शुजातुल्लाह खान यालिश के स्वागतीय भाषण के बाद साहित्यिक संस्था बज्मे खुलूस ओ अदब के अध्यक्ष हाजी चौधरी खुर्शीद आलम राही ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ इरशाद स्यानवी आसमाने अदब के रोशन सितारे हैं। वह अपने खूने जिगर से उर्दू साहित्य को परवान चढ़ा रहे हैं। उन्होंने अपने प्रयासों और मेहनत से उर्दू साहित्य को नई दिशा और दशा प्रदान की है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मेजर डॉ मौहम्मद फाजिल, (डीपीएस स्कूल) ने उर्दू पत्रकारिता और अखबार अल जमीयत के संबंध में किताबों पर तल्खीस और तब्सिरा पेश करते हुए कहा कि हम डॉक्टर साजिद अली के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने तकरीबन तमामतर उपलब्ध मवाद से काम लेते हुए हवालों की रोशनी में सच्चाई को सामने लाने में बड़ी हद तक कामयाब कोशिश की है। उन्होंने शोध और विश्लेषण से उचित जायजा लिया है। इस लिए इस किताब के रूप में सिर्फ अलजमीयत पर ही नहीं पूरी उर्दू पत्रकारिता पर एक शानदार और काबिले कद्र कारनामा अंजाम दिया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ इरशाद से स्यानवी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ असलम जमशेदपुरी की सरपरस्ती में उर्दू विभाग ने डॉक्ट्रेट की डिग्री प्रदान की है। यह कार्य अपनी तरह का एक अहम और तहकीकी कारनामा है जिसे अलजमीयत की खिदमत पर एक कीमती दस्तावेज कहा जायेगा। उर्दू अखबारों का इतिहास, संघर्ष और स्वतंत्रता संग्राम में अल

जमीयत अखबार की अहम भूमिका और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होंने आगे कहा के जो कौम अपने बुजुर्गों को भुला देती है उस कौम का नामोनिशान नहीं रहता। किताबें मंजरे आम पर आती हैं यह कोई बात नहीं, बात यह है कि इसके अंदर मौजूद मवाद से अवाम को क्या फायदा हुआ। उन्होंने उर्दू भाषा के विकास और सुरक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कहा के उर्दू मौहब्बत भाईचारे और प्यार की जबान है यह तहजीब की निगहबान है। इस भाषा की रक्षा के लिए सभी उर्दू वालों की जिम्मेदारी है। जलसे के सदर हाजी नूर मौहम्मद कुरैशी ने इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन पर अपने खुशी प्रकट करते हुए कहा कि हमें हर हाल में उर्दू को जिंदा व जावीद रखना है। अगर उर्दू खत्म हुई तो एक तहजीब, एक संस्कृति और एक युग का खात्मा हो जाएगा। हमें उर्दू की तालीम पर तवज्जो देनी चाहिए क्योंकि हमारा सारा साहित्यिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक व धार्मिक सरमाया उर्दू भाषा में ही महफूज है। उर्दू की शिक्षा ही उर्दू को जिंदा रख सकती है। उर्दू की बदहाली के लिए हम उर्दू वाले ही बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने किताबों के लेखक को मुबारकबाद पेश करते हुए आगे कहा कि इस मिशन को हमें आगे बढ़ाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए। किताब के लेखक डॉक्टर साजिद अली ने इस मौके पर उपस्थित जनों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मेरी हौसला अफजाई उर्दू की हौसला अफजाई है। उन्होंने बताया कि किन किन कठिनाइयों और दुश्वारियां का सामना करते हुए यह काम अंजाम दिया गया है। इसके लिए वह लगातार कोशिश करते रहेंगे। उर्दू की तरक़्क़ी, तहाफ्फूज और पत्रकारिता अखबारात के लिए यह किताब एक प्रकाश पथ साबित होगी। जिससे हम और आने वाली नस्लें लाभप्रद हो सकती हैं। इस मौके पर किताब के लेखक और मेहमान ए खुसीसी का शाल पहना कर और बुके देकर स्वागत किया गया। जलसे के अध्यक्ष हाजी नूर मौहम्मद कुरेशी, मुख्य अतिथि इरशाद अहमद स्यानवी और डॉक्टर साजिद अली को मुस्लिम यूथ कन्वेंशन के बानी मुमताज सहाफी जावेद हबीब से मनसूब अवार्ड से नवाजा गया। जलसे में बड़ी तादाद में साहित्यिक, शैक्षिक सामाजिक और राजनीतिक व्यक्तियों ने भाग लिया। जिनमें हाजी जावेद गाजी, इजलाल अहमद खान, आरिफ सैफी, मास्टर इलियास, मास्टर मौहम्मद अकरम, अब्दुल खालिक अंसारी, मौहम्मद सरदार बरनी ,एजाज अहमद, अब्दुल नाफे अंसारी, मौ अकरम, मास्टर मसूद आलम,, अख्तर इकबाल, डॉक्टर हसरत अली चौहान, मौहम्मद अफजल बर्नी, मोहम्मद यामीन अल्वी, शोएब कादरी, जुनैद अख्तर, डॉक्टर हसीब अहमद आमिर गाजी एडवोकेट के नाम उल्लेखनीय हैं। प्रसिद्ध शायर व शिक्षाविद् मकसूद जालिब ने उपस्थित जनों का आभार जताया।

बच्चे के पहने हुए कपड़े के कलर से बदलता है बच्चे की आंखों का कलर

जनता की खोज

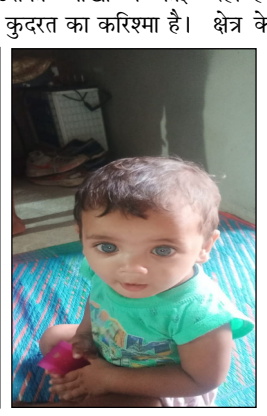

बुलंदशहर। हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां बुलंदशहर में डेढ़ वर्ष का मासूम बच्चा अर्श इस समय सुर्खियों में बना हुआ है।जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि अर्श की आँखे खुद पर खुद रंग बदल लेती है। आखों का रंग बदलते बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बच्चे के परिजनों ने बताया बच्चे को जिस रंग के कपड़े पहनाए जाते हैं। बच्चे की आंखें अपने आप उस रंग की हो जाती है। परिवार ने डॉक्टर को भी दिखाई तो डॉक्टर ने बताया कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ्य है और उसकी आँखों में कोई परेशानी नही है। ये कुदरत का करिश्मा है। अब अर्श को देखने के लिए लोग दूर दूर से लोग पहुंच रहे है। लोग अर्श की वीडियो बनाते है। उसके साथ सेल्फी लेते है। बच्चे का परिवार इसको कुदरत का करिश्मा बता रहा है। अर्श का परिवार कोतवाली नगर क्षेत्र के बीसा कॉलोनी में रहता है। और अर्श के पिता असलम पिलंबर का काम करते है। वही दूसरी तरफ जब हमने शहर के जाने माने आँखों के डॉक्टर अखिलेश अग्रवाल से बात की तो उनका कहना है कि यह महज एक भ्रम है। मेडिकल साइंस भी ऐसा कही जिक्र नही है कि कपड़े अलग अलग रंग के कपड़े पहनने से आंखों का रंग बदल जाता हो।कभी कभी आखों के रंग से मिलते जुलते रंग के कपड़े पहनने से कोनियर रिफ्लेक्शन के कारण ऐसा महसूस होता है कि आँखों का रंग बदल जाये पर यह एक भ्रम है ऐसा होता नही है। हालांकि बच्चों को हमने देखा नहीं है बच्चों को देखने के बाद ही कुछ निश्चित तौर पर कहा जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय ढक नगला में वार्षिक महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया

जनता की खोज

नरौरा। ढक नगला के प्राथमिक विद्यालय में वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इस मौके पर कक्षा 5 के छात्र एवं छात्राओं का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने सांस्कृति कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस कार्यक्रम को सफल एवं भव्य रूप देने के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका व शिक्षक एव शिक्षिकाओं का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षा विभाग की खंड शिक्षा अधिकारी हेमलता ने प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 5 के छात्र एवं छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और सांस्कृतिक कार्यक्रम करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया और मेधावी छात्र-छात्राओं को अमेरिका के सत्यमेव जयते फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जिससे छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं शिक्षक गणों का भी धन्यवाद किया इस कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सीमा विश्वकर्मा, श्यौराज सिंह, सीमा राजपूत, सुधा, सुनील राजपूत ,उषा रानी, संजय सोम, ए आर पी विजेंद्र सिंह मोतीलाल वर्मा विनोद यादव एवं अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थिति रही गांव के प्रधान पुत्र राकेश कुमार मथुरिया मलखान सिंह बाबूजी डॉ धर्मेंद्र कुमार लोधी डॉ दिनेश कुमार लोधी रतन सिंह दिवाकर गजराज सिंह फहीमुद्दीन सैफी बाबू खान दो सोनू एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन अ राजनीतिक की मलकापार्क में पंचायत

जनता की खोज

बुलंदशहर। भाकियू अराजनैतिक के समस्त पदाधिकारीयो की पंचायत बुलंदशहर स्थित राजेबाबू पार्क में की जिसकी अध्यक्षता रमेश बाबा उर्फ बजरंगबली ने की तथा संचालन जिला अध्यक्ष युवा ठाकुर शैलेंद्र आर्य जी के द्वारा किया गया तथा संगठन को मजबूती देने सहित किसानो की विभिन्न समस्याओं का मंथन किया गया तथा शासन प्रशासन संबंधित बहुत सारी समस्याओं का मंथन किया गया पंचायत में पहुंचे वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मंगाराम त्यागी ने कहा की बुलंदशहर की प्रत्येक तहसील और ब्लॉक आदि पर पंचायत कर तथा एक तरफ से सदस्य अभियान चलाकर संगठन को ओर भी मजबूती प्रदान की जाएगी किसानों तथा कार्यकताओं का शोषण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत में दर्जनों पदाधिकारीयों ने अपने विचार रखें:-मुख्य रूप से जिला प्रभारी धर्मवीर उर्फ गुड्डू प्रधान एनसीआर महासचिव बिल्लू चौधरी , रिजवान चौधरी आलोक राठी , नीरज शर्मा फूल सैनी , के प्रसाद सैनी, विजय सैनी इस्तखार चौधरी , आदि दर्जनों से भी ज्यादा पदाधिकारीयों ने अपने विचार रखें।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के सम्मान में किया गया पुलिस कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन

जनता की खोज

बुलंदशहर। जनपद से 02 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए। जनपद में तैनात रहे इन पुलिसकर्मियों के सम्मान में पुलिस कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी कार्यालय व क्षेत्राधिकारी आंकिक/ यातायात/ क्राइम द्वारा ऐच्छिक/ अधिवर्षता आयु पूरी करने के उपरान्त सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को पूरे सम्मान के साथ शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी कार्यालय व क्षेत्राधिकारी आंकिक/ यातायात/ क्राइम द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्बोधित करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की तथा पुलिस विभाग में उनके सेवाकाल के दौरान किए गये कार्यों की भी सराहना की गई। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के नाम-
स0उ0नि0 (लेखा) विजेन्द्र सिंह
2- एफ0एस0ओ0 सुरेश चन्द्र।

परिक्षेत्रीय स्तर पर चलाये जा रहे ऑपरेशन शस्त्र की डीआईजी ने की समीक्षा

जनता की खोज

बुलन्दशहर। परिक्षेत्र के अधीनस्थ जनपदो में गोली बारी की बढती घटनाओं की रोकथाम के लिए परिक्षेत्र स्तर पर दिनांक 05.02.2025 से ऑपरेशन शस्त्र चलाया

डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र श्री कलानिधि नैथानी द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन शस्त्र के अन्तर्गत 03 सप्ताह में 186 अभियुक्त गिरफ्तार

गया है, जिसके अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए रेंज के अधीनस्थ जनपदो ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपराधियों पर कडा प्रहार किया है। अभियान के दौरान परिक्षेत्र स्तर पर अवैध शस्त्र के अन्तर्गत कुल 163 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है एवं फायरिंग प्रकरणो में कुल 23 अभियुक्तो के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। इसके अलावा परिक्षेत्र के अधीनस्थ जनपदो में पडने वाली सभी शस्त्र की दुकानो का सत्यापन किया गया, मेरठ परिक्षेत्र में 69 दुकाने पंजीकृत है जिनका सत्यापन हो चुका है, जिनमें 55 क्रियाशील व 14 निष्क्रिय है। मेरठ परिक्षेत्र के जनपदो में 06 शस्त्र लाईसेंस निरस्तीकरण की भी कार्यवाही की गई है। अभियान निरन्तर जारी है जनपद मेरठ ने ऑपरेशन की शुरूआत से अब तक 51 अभियुक्तो को अवैध तमंचा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है एवं फायरिंग/ हर्ष फायरिंग के प्रकरणो में 11 अभियुक्तो के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। शस्त्र की 29 दुकानो में से सभी का सत्यापन कर लिया गया है जिनमें से शस्त्र की 06 दुकाने निष्क्रिय है।

जनपद बुलन्दशहर में 65 अभियुक्तो को अवैध तमंचा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया और फायरिंग के 02 प्रकरणो में 05 अभियुक्तो के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। जनपद में शस्त्र की 26 दुकाने है जिनका सत्यापन कर लिया गया है जिनमें 03 शस्त्र दुकान निष्क्रिय है एवं शस्त्र निरस्तीकरण के 03 प्रस्ताव भेजे गये है।

जनपद बागपत में 21 अभियुक्तो को अवैध तमंचा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया और फायरिंग के 06 प्रकरणो में 06 अभियुक्तो के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। जनपद में शस्त्र की 03 दुकाने है, जो निष्क्रिय है एवं शस्त्र निरस्तीकरण का 01 प्रस्ताव भेजा गया है। जनपद हापुड में 26 अभियुक्तो को अवैध तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है और फायरिंग के 01 प्रकरण में 01 अभियुक्त के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। जनपद में शस्त्र की 11 दुकाने है जिनका सत्यापन हो चुका है, 02 दुकाने निष्क्रिय है एवं शस्त्र निरस्तीकरण के 02 प्रस्ताव भेजे गये है।

एडीजी मेरठ और एसएसपी द्वारा समस्त राजपत्रित अधिकारियो एवं थाना प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में अपराध नियंत्रण व आगामी त्यौहारों(होली,नवरात्रि,ईद) के सम्बन्ध में गोष्ठी/समीक्षा बैठक

जनता की खोज

बुलंदशहर। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, मेरठ डी0के0 ठाकुर द्वारा अपराध नियंत्रण आदि के सम्बन्ध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर श्लोक कुमार सहित पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री रोहित मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री शंकर प्रसाद, सहायक पुलिस अधीक्षक नगर ऋजुल एवं समस्त क्षेत्राधिकारियों/थाना प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में अपराध नियंत्रण व आगामी त्यौहारों(होली,नवरात्रि,ईद) के सम्बन्ध में गोष्ठी/समीक्षा बैठक की गयी। एडीजी द्वारा गोष्ठी/समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को उच्चाधिकारियों के आदेशों/निदेर्शों से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत अनुपालन कराने, अपराधों पर प्रभावी अकुंश लगाने व जनता की समस्याओं का शीघ्रतम विधिक निस्तारण करने, हिस्ट्रीशीटरों व टॉप-10/जिलाबदर अपराधियों पर सतर्क निगरानी रखने एवं वांछित/वारंटियों व ईनामियों की अधिक से अधिक गिरफ्तारी करने व लम्बित विवेचनाओं का शीघ्र गुणवत्तापूर्व निस्तारण करने तथा जनपद में पुलिस की छवि एवं व्यवहार कुशल बनाए रखने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर शत-प्रतिशत कार्यवाही करने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गये। साथ ही आईजीआरएस प्रणाली के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा थाना कार्यालय एवं पेशी कार्यालय के अभिलेखों की स्थिति अद्यतन रखने, महिला अपराध संबंधी अभियोजन प्रक्रिया में व्यक्तिगत रुचि लेकर दोषियों को सजा दिलवाए जाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध शराब/मादक पदार्थ बिक्री की रोकथाम तथा मिशन शक्ति अभियान की भी समीक्षा की गई तथा इसमें शासन की मनसा अनुरूप कार्यवाही करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त आगामी त्यौहारों (होली,नवरात्रि व ईद) पर व्यापक पुलिस प्रबन्ध रखने व शान्ति/कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं त्यौहार रजिस्टर की स्थिति अद्यतन रखने के सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों के आदेशों/निदेर्शों से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत अनुपालन कराने हेतु निर्देशित किया गया।

सम्पादकीय

एक पुराने युद्ध की समाप्ति की संभावना

अपनी पॉवर- पॉलिटिक्स के तहत ट्रंप साफ पैगाम दे रहे हैं कि चीजें वो तय करेगा, जिसके पास शक्ति है। इस क्रम में वे शक्तिशाली नेताओं से संपर्क जोड़ रहे हैं। पुतिन को वे वैसा ही नेता समझते हैं।

सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक का सार है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को डंप कर दिया है। वैसे उसने पूरे यूरोप को ही अधर में छोड़ दिया है। ये सब अब अपने जख्मों को खुद ही सहलाने के लिए मजबूर हैं। मार्को रुबियो और सर्गेई लावरोव की बातचीत में अमेरिका और रूस चार सूत्रों पर सहमत हुए। वैसे तो दुनिया का ध्यान यूक्रेन युद्ध संबंधी वार्ता पर था, मगर उससे आगे जाते हुए दोनों देश आपसी संबंध को पुनर्स्थापित करने के कदम उठाने पर भी रजामंद हुए। इसके तहत पहला लक्ष्य कूटनीतिक संबंध की बहाली है।

रुबियो ने दो टूक कहा कि युद्ध खत्म हुआ, तो रूस पर से आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध भी हटाए जाएंगे। बातचीत के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेनेंस्की पर गंभीर इल्जाम लगाए। कहा कि इस युद्ध के लिए जेलन्स्की दोषी हैं और अब वे अपने देश में बेहद अलोकप्रिय हैं। जेलेन्स्की ने एतराज जताया था कि अमेरिका ने बिना यूक्रेन को शामिल किए उनके देश के बारे में सीधे रूस बातचीत शुरू कर दी है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि लड़ाई जेलेन्स्की ने शुरू की और इसे खत्म करने के लिए उनके पास तीन साल का वक्त था। ट्रंप ने अरबों डॉलर की अमेरिकी मदद के उपयोग को लेकर भी संदेह जताया। उधर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल पर अमेरिका के अचानक रुख परिवर्तन से आहत यूरोपीय नेताओं की हुई बैठक कोई ठोस कार्य योजना बना पाने में नाकाम रही। असल में, यूरोप का जो ढांचा दूसरे विश्व युद्ध के बाद से मौजूद है, उसमें अमेरिका से अलग हट कर कोई बड़ी योजना बनाना उनके लिए मुमकिन भी नहीं है। उधर अपनी पॉवर- पॉलिटिक्स के तहत ट्रंप साफ पैगाम दे रहे हैं कि चीजें वो तय करेगा, जिसके पास शक्ति है। इस क्रम में वे शक्तिशाली नेताओं से संपर्क जोड़ रहे हैं। व्लादीमीर पुतिन को वे वैसा ही नेता समझते हैं। यह नया दौर है, जिसमें एक पुराने युद्ध की समाप्ति की संभावना ने ठोस रूप ले लिया है।

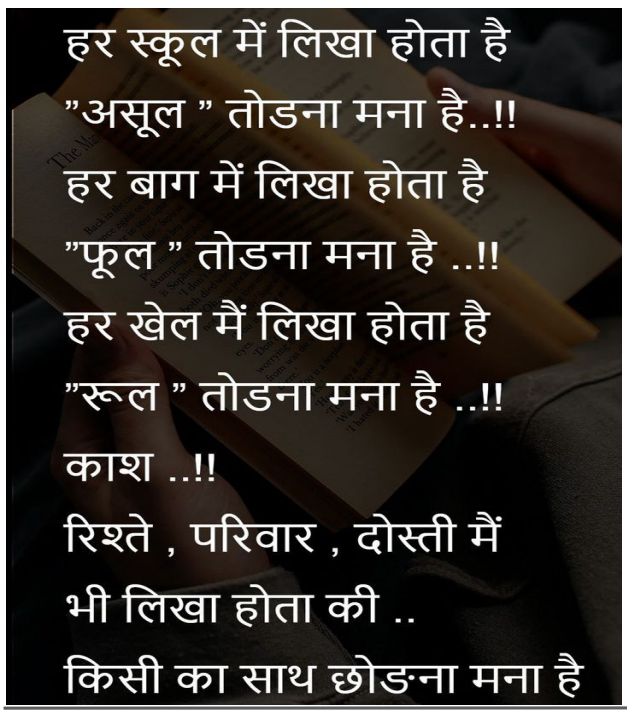

जर्मनी की नई सरकार के साथ नए संबंध बनाने की भारत को पहल करनी होगी

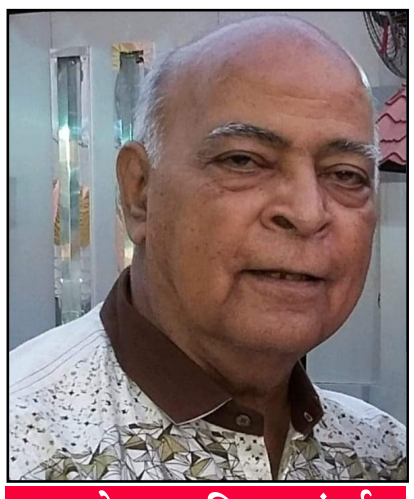

अशोक भाटिया, मुंबई

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज आम चुनाव हार गए हैं। उनकी सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी 630 सीटों में से सिर्फ 121 सीटें ही जीत पाई है। उसे सिर्फ 16.5% वोट ही मिले हैं। चांसलर शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है। उनकी पार्टी चुनावी नतीजों में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है।कंजर्वेटिव विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी के गठबंधन ने 208 सीटों पर जीत दर्ज की है। उसे 28.5% वोट हासिल हुए हैं।चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी जीत कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी को मिली है। इस पार्टी को 151 सीटों पर जीत मिली है। पार्टी को 20.8% वोट मिले हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में किसी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी पार्टी ने इतनी सीटें जीती हैं।जर्मनी में बहुमत के लिए 315 सीटें चाहिए, और कोई भी पार्टी अकेले यह आंकड़ा छूती नहीं दिख रही। इसलिए गठबंधन सरकार बनना तय माना जा रहा है। जर्मनी में चुनाव में बहुमत के साथ सत्ता में आने के दो साल बाद सात दशक बीत चुके हैं। कम से कम पिछले साठ वर्षों से, जर्मनी एक निरंतर बहुदलीय गठबंधन सरकार का सामना कर रहा है। इस देश में ऐसा कोई नहीं है जो कहता हो कि स्पष्ट बहुमत स्थिरता है और स्थिरता ही प्रगति है, और अगर ऐसा होता भी तो लोगों ने विश्वास नहीं किया होता। हाल के मध्यावधि चुनावों में भी, मतदाताओं ने 'हर किसी को गठबंधन पसंद है' की परंपरा का पालन किया और एक पार्टी को निश्चित बहुमत मिलेगा। नहीं दिया गया। पूरी दुनिया इस चुनाव को देख रही थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि अति-प्रतिगामी नाजी-दक्षिणपंथी, धुर-दक्षिणपंथी ने हाल ही में देश में लहरें बनाई हैं, और इसने जर्मनी में एक सरकार की तस्वीर बनाई है, जैसा कि हंगरी और अन्य यूरोपीय देशों में है, जिसने एक हवा बनाई है कि कट्टरपंथी, नस्लवादी, नस्लवादी अल्टरनेटिव फॉर ड्यूशलैंड (एएफडी) पार्टी को वास्तव में बहुमत मिलता है या नहीं। फ्रांस में मैरी ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी की तरह, यह जर्मनी में बढ़ रही थी। फ्रांस की तरह जर्मनी में भी पार्टी का वोट शेयर बढ़ा. लेकिन वह फिर भी सरकार बनाने से दूर रहेंगे। यह सराहनीय है कि जर्मनों ने, फ्रांसीसी की तरह, यह विवेक दिखाया। एएफडी को लगभग 19 प्रतिशत वोट के साथ दूसरा सबसे बड़ा वोट मिला, और क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी सबसे अधिक, लगभग 29 प्रतिशत वोट के साथ आगे बढ़ी, सीडीयू के फ्रेडरिक मर्ज. अब नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं झ जर्मनी के चांसलर। मर्ज. एंजेला मर्केल की सीडीयू पार्टी से संबंधित हैं, लेकिन मर्ज. और मर्केल एक-पार्टी हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दर्शन पूरी तरह से समान नहीं है। मर्ज. आर्थिक विचारों पर मर्केल के साथ संबंध साझा करते हैं लेकिन सांस्कृतिक मुद्दों पर मर्केल से अलग हैं। वह आव्रजन पर मर्केल की तरह उदार नहीं हैं। वह नहीं चाहते कि जर्मनी आप्रवासियों के लिए धर्मशाला बने। देश अप्रवासियों के लिए सभी के लिए एक स्वतंत्र नीति का अनुभव कर रहा है। इसमें बढ़ती बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें शामिल हैं क्योंकि हम परमाणु ऊर्जा से मुंह मोड़ लेते हैं। इसलिए मर्ज. विभिन्न नीतियों को लागू करना चाहता है। रूस के बारे में उनकी और मर्केल में जो समानता है, वह है। मर्केल ने अक्सर पुतिन के रूस को घेरा है, और मर्ज. भी रूस से दूर रहना चाहते हैं। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विरोधी भी हैं, जो रूसी राष्ट्रवादी बन गए हैं। वास्तव में, मर्ज. की अमेरिकी कंपनी में मृत्यु हो गई। वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली अमेरिकी वित्तीय संस्थानों में से एक, ब्लैकरॉक के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, लेकिन वह जर्मन हित के मुद्दों पर अमेरिकी नीति के विरोधी हैं और मानते हैं कि ट्रम्प यूरोप समर्थक नहीं हैं। इतना ही नहीं। उन्होंने सबसे पहले जर्मनी को संयुक्त राज्य अमेरिका से दूर ले जाने के बारे में एक बयान दिया और पहली चर्चा परमाणु रक्षा पर ब्रिटिश प्रधान मंत्री कीर स्टारर के साथ हुई। जर्मनी यूरोप की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था है, उसके बाद फ्रांस है। अमेरिकी नहीं। फिलहाल, इंग्लैंड में लेबर पार्टी की सरकार भी अमेरिका से अलग-थलग रहकर काम करती दिख रही है। ब्रिटेन के स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तरह मर्ज. भी यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका और रूस के सख्त विरोधी हैं. चुनाव परिणामों के बाद, मर्ज. ने रूस के खिलाफ यूक्रेन और जेलेंस्की के लिए अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया। इसका मतलब है कि यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच की खाई उस दिशा में अधिक से अधिक बढ़ेगी। यह हाल के चुनाव द्वारा लाया गया सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा लगता है कि मर्ज. की पार्टी आऊ को सत्ता से बाहर रखने के लिए सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रेटिक यूनियन के साथ हाथ मिला रही है। कोई विकल्प नहीं है। सांस्कृतिक-राजनीतिक मुद्दों पर, सरकार जन-समर्थक नीतियों को अपनाएगी और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर पुराने मार्ग को अपनाएगी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जर्मनी, इंग्लैंड और फ्रांस संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान विरोध में हैं। ये नतीजे वैश्विक संबंधों में नए समीकरणों के संकेत दे रहे हैं।इससे पहले जर्मनी ने लंबे समय तक आर्थिक दिक्कतों का सामना 2000 के शुरूआती सालों में किया था. तब चांसलर रहे एसपीडी के गेरहार्ड श्रोएडर ने श्रम बाजारों के विवादित और कल्याणकारी सुधारों को लागू किया था जिनका लक्ष्य विकास को बढ़ावा देना था.तब की तरह वर्तमान में भी जर्मनी पर कुछ विशेषज्ञ "यूरोप के बीमार आदमी" का ठप्पा लगा रहे हैं. जर्मनी का विकास यूरोपीय संघ के दूसरे देशों से फिलहाल कम है. इनमें स्पेन और आयरलैंड जैसे वो देश भी शामिल हैं जिन्हें जर्मन राजनेताओं से अर्थशास्त्र पर व्याख्यान सुनना पड़ता था. विशेष रूप से रक्षा के मुद्दे पर, न केवल जर्मनी; एक पूरे के रूप में यूरोप रक्षा में संयुक्त राज्य अमेरिका के कंधों पर अपने सिर के साथ चुप रहा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप ने रक्षा पर अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश नहीं की। इसलिए यूरोप में विभिन्न अमेरिकी ठिकानों पर लगभग दस लाख अमेरिकी सैनिक तैनात थे, और जर्मनी जैसे देश ने रक्षा तैयारियों के विषय को एक 'विकल्प' के रूप में रखा। यह अब बदल जाएगा, खासकर इंग्लैंड और जर्मनी दोनों ने अपने रक्षा खर्च में काफी वृद्धि करने की कसम खाई है। इंग्लैंड को 'परमाणु कवर' प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि यूरोप अब संयुक्त राज्य अमेरिका को अपना विश्वसनीय मित्र और भागीदार नहीं मानेगा । मर्ज. ने उसी अर्थ में चुनाव के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका की आलोचना की। अमेरिका की रूस समर्थक, पुतिन समर्थक नीति यूरोप को स्वीकार्य नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका से इस तरह के अलगाव का अर्थ है आर्थिक और रक्षा मुद्दों पर आत्मनिर्भर बनना। जर्मनी के निवर्तमान चांसलर शुल्त्स ने वास्तव में उस दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया था। जर्मनी हाल के दिनों में चीन के साथ बहुत व्यापार कर रहा है। इसके पीछे यही विचार था। ऐसा लगता है कि कई देशों की नीति है कि वे हर उस चीज को बंद कर दें जो अमेरिका विरोधी है।

क्या तरक्की सच में हो रही है, या हम डिजिटल मायाजाल में फँस गए हैं?

प्रो. आरके जैन अरिजीत,

आज का दौर सचमुच ऐसा हो चला है कि जो दिखता है, वो है नहीं, और जो है, वो दिखता नहीं। पहले की दुनिया में मेहनत का रंग था, पसीने की महक थी, और इंसान से इंसान का रिश्ता था। सुबह की पहली किरण के साथ दुकानदार अपनी दुकान का शटर खटखटाता, लोहे की गड़गड़ाहट से गलियाँ चौंक उठतीं, और ग्राहकों को बुलाने वाली उसकी पुकार में आत्मीयता की मिठास घुली होती थी। "तशरीफ लाइए साहब," कहकर वह हाथ जोड़ता, और दिनभर मोलभाव की जंग में अपनी सारी ताकत झोंक देता। सूरज डूबते-डूबते, जब थकान से निढाल वह अपनी तिजोरी में मुट्ठीभर सिक्के गिनता, तो उसकी आँखों में मेहनत की चमक और संतोष की लकीरें नाच उठतीं। मगर अब यह सब किसी भूले-बिसरे सपने-सा लगता है। अब दुकानें जमीन पर नहीं, आकाश में लहराती हैं—डिजिटल बादलों की आड़ में, जहाँ न शटर की खनक बची, न दुकानदार की जुबान की गरमाहट, और न ही ग्राहक से नजरें मिलाने का जज्बा। बस एक स्क्रीन का जाल, एक बटन की चाल, और सारा खेल पल में तय। ठिकाना पूछो तो जवाब फट पड़ता है—"ऑनलाइन है, भाईसाहब!"—जैसे यह कोई जादू की छड़ी हो, जिसने सारी दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर लिया। पहले व्यापार के अपने उसूल थे, पसीने की मेहनत थी, और मुनाफा उस कठोर परिश्रम का मीठा फल हुआ करता था। दुकानदार ग्राहकों को रिझाने के लिए जी-जान लगाता, अपनी चतुराई भरी बातों से दिल जीत लेता। लेकिन अब यह सब पुरानी किताबों की कहानी बनकर रह गया है। आज एक वेबसाइट बनाओ, सोशल मीडिया पर विज्ञापनों की बारिश कर दो, और देखते-देखते धंधा शुरू। ग्राहक आएँ या न आएँ, दुकान चलती रहे या ठप पड़े, मगर बिक्री का चक्का रुकने का नाम नहीं लेता। ये ईमान की कमाई नहीं, बल्कि तकनीक का मायावी खेल है, जो आँखों में चमक बिखेरकर जेबें लूट रहा है। पहले दुकान की शान उसकी जगह से झलकती थी—चाहे गली का कोना हो या बाजार की रौनक भरी चौखट। अब सब कुछ "क्लिक हियर" के एक छोटे से बटन में सिमट गया है। यहाँ न चेहरे की सच्चाई दिखती है, न भरोसे की नींव बनती है, बस स्क्रीन पर चमचमाते अंकों का तिलिस्मी नाच चलता रहता है।

गली-मोहल्लों की किराना दुकानों का भी यही दर्दनाक मंजर है। पहले वहाँ दुकानदार सिर्फ सामान नहीं बेचता था, बल्कि रिश्ते जोड़ता था। तराजू पर आटा तौलते हुए वह पूछता, "बीबी जी, थोड़ा बढ़िया दूँ?" और उसकी बातों में एक गर्मजोशी होती। उधारी की डायरी में नाम लिखते वक्त उसकी आँखों में भरोसा झलकता, जो ग्राहक को भीतर तक छू जाता। मगर अब? अब मोबाइल पर ऑर्डर करो, और कुछ देर बाद एक डिलीवरी बॉय सामान दरवाजे पर फेंककर चला जाता है।

न मुस्कान, न बातचीत, न वह पुराना अपनापन। दुकानदार कहीं गायब, और उसकी जगह ले ली है एक ठंडी-सी मशीन ने, जो सिर्फ ऑर्डर लेती है और सामान भेजती है। धंधा पहले से कहीं ज्यादा तेजी से चल रहा है, मगर उस तेजी में इंसानियत कहीं पीछे छूट गई।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है।

नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है। समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना।

केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का "विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं" कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की "महिला वैज्ञानिक योजना" महिला शोधकताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान कर-के शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है।

आशाओं के अनंत आकाश में जीवन के प्रगति सोपान

संजीव ठाकुर

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊजावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चैतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास मैं अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप परिवारवालों के साथ समय बिताने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं।

सिंह राशिः आज का दिन शानदार रहेगा। ऑफिस में आपको ऐसा काम दिया जा सकता है, जो आपको बहुत अच्छा लगेगा। आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचार आज लोगों को प्रभावित करेगा, लोग आपसे जुड़ेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो समय से पूरा करने में सफल होंगे। आज बिजनेस में काम की गति बनी रहेगी। आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका नजदीकी मित्र आपसे मिलने आयेगा। आप उनके साथ कही घूमने का प्लान बनाएंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज का दिन यात्रा में बीत सकता है। ये यात्रा ऑफिस के किसी काम से संबंधित हो सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। पहले किए गए किसी काम से आज अच्छा मुनाफा होगा। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन जीवन में किसी नई खुशी का संकेत लायेगा। जीवनसाथी से आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लाने वाला है। आपको अपने करियर में बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

मीन राशिः लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे। आज ऑफिस के काम के लिए यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों की उलझी हुई स्थितियों का समाधान आज निकल जाएगा।

अमृतसर सीमा पर दो ड्रोन और तीन पैकेट हेरोइन बरामद मादक पदार्थ पीले रंग के चिपकने वाले टेप से लिपटे हुए थे

जालंधर । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों से संदिग्ध हेरोइन ले जा रहे दो ड्रोन बरामद किए। बीएसएफ के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि स्थानीय ग्रामीण की सूचना पर एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन- 508 ग्राम) को बीएसएफ जवानों ने अमृतसर जिले के गांव- दाओके से लगभग अपराह्न तीन बज कर चालीस मिनट पर बरामद किया। मादक पदार्थ के पैकेट को पीले चिपकने वाले टेप से लपेटा गया था और पैकेट पर धातु की अंगूठी के साथ दो रोशनी वाली छड़ें लगी हुई थीं। संदिग्ध हेरोइन का एक और पैकेट (कुल वजन- 600 ग्राम) बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 07:15 बजे अमृतसर जिले के रोरनवाला खुर्द गांव से सटे एक खेत से बरामद किया। मादक पदार्थ पीले रंग के चिपकने वाले टेप से लिपटे हुए थे और पैकेट पर तांबे के तार की अंगूठी के साथ एक रोशनी वाली पट्टी भी लगी हुई थी। एक अन्य मामले में ड्यूटी पर तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने अमृतसर जिले के उत्तर धारीवाल गांव से सटे सीमा सुरक्षा बाड़ से आगे एक खेत से एक असेंबल ड्रोन के साथ

एक पैकेट (कुल वजन- 505 ग्राम) बरामद किया। बरामद पैकेट पीले रंग के चिपकने वाले टेप में लिपटा हुआ था और एक धातु की अंगूठी थी। स्थानीय ग्रामीण की सूचना पर बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 09:05 बजे रतनखुर्द गांव से सटे एक ग्रामीण के खेत से एक और ड्रोन (डीजेआई मैविक 3 क्लासिक) बरामद किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में कैग की दूसरी रिपोर्ट पेश की

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दूसरी रिपोर्ट पेश की। मुख्यमंत्री ने कैग की दूसरी रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन पर निष्पादन लेखा परीक्षक प्रतिवेदन वर्ष-2024 संख्या नंबर 3 की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूं।

मुख्यमंत्री की तरफ से कैग की दूसरी रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इसकी प्रतियों को सदन के अन्य सदस्यों को वितरित करने का निर्देश दिया। इसके बाद इस कैग रिपोर्ट पर भाजपा नेता हरीश खुराना ने भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने कभी भी विधानसभा में कैग रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। लेकिन, मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कैग रिपोर्ट प्रस्तुत करके संवैधानिक बाध्यताओं को पूरा किया। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार ने स्वास्थ्य को हमेशा अपना प्राथमिक विषय बनाया। स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता हमें स्वीकार नहीं है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हर राज्य में एम्स जैसे अस्पतालों का निर्माण हो रहा है, ताकि भारत का कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहे।

हाईकोर्ट ने खत्म किया आपराधिक मुकदमा, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को समाप्त कर दिया। यह फैसला राज्य सरकार की उस अर्जी पर आया, जिसमें मुकदमा वापस लेने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की इस अर्जी को मंजूर कर लिया।

दरअसल, निचली अदालत ने सरकार के मुकदमा वापसी के प्रार्थना पत्र को पहले खारिज कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के इस आदेश को भी रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने बृजभूषण की याचिका पर सुनाया। यह मामला वर्ष 2014 का है, जब गोंडा जिले की नगर कोतवाली में उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 और 341 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए लोक सेवक के आदेश की अवहेलना की थी। बृजभूषण सिंह भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्हें अपने कार्यकाल में विनेश फोगाट जैसी स्टार रेसलर द्वारा शारीरिक शोषण के आरोपों का सामना करना पड़ा था। विनेश फोगाट के अलावा अन्य रेसलर ने भी बृजभूषण सिंह पर आरोप लगाए थे। ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया भी पहलवानों के साथ नई दिल्ली में बृजभूषण सिंह के खिलाफ एक्शन लेने के लिए धरने प्रदर्शन पर बैठे थे।पिछले माह बृजभूषण शरण सिंह के घर पर कुश्ती संघ ऑफिस को दोबारा शिफ्ट करने की खबर को संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने निराधार बताया था। उन्होंने साफ किया था कि कुश्ती संघ का ऑफिस अभी भी दिल्ली के हरिनगर में है।भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया था, बृजभूषण शरण सिंह के घर ऑफिस शिफ्ट करने की खबर पूरी तरह से गलत है। बृजभूषण शरण सिंह पूर्व कुश्ती संघ अध्यक्ष रहे हैं, इसके कारण कई खिलाड़ी उनके घर आते-जाते रहते हैं। लेकिन उनके घर से ऑफिस संचालन का आरोप बिल्कुल गलत है। ऑफिस नई दिल्ली के आश्रम चौक पर 101, हरि नगर में चल रहा है।

2024 में टैबलेट मार्केट ने किया कमाल, दिखा 42 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली । भारतीय टैबलेट बाजार में 2024 में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें कुल शिपमेंट 5.73 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 42.8 प्रतिशत की वृद्धि है। हाल ही में आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।आईडीसी के 'वर्ल्डवाइड क्वार्टरली पर्सनल कंप्यूटिंग डिवाइस ट्रैकरइ के आंकड़ों के अनुसार, डिटैचेबल और स्लेट टैबलेट दोनों ने इस वृद्धि में अहम योगदान दिया है, जिनमें क्रमशः 30 प्रतिशत और 47.2 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई है। अट्रैक्टिव ऑनलाइन प्रमोशन, डिस्काउंट और कैशबैक ऑफर की वजह से कंज्यूमर सेगमेंट मजबूत रहा और इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 19.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 60 प्रतिशत से अधिक शिपमेंट एंट्री-लेवल टैबलेट के होने के बावजूद, कंज्यूमर सेगमेंट में एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) वित्त वर्ष 2023 में 309 डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 336 डॉलर हो गया। रिपोर्ट में कहा गया कि कमर्शियल सेगमेंट ने और भी बेहतर प्रदर्शन किया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 69.7 प्रतिशत बढ़ा, जिसका मुख्य कारण शैक्षणिक संस्थानों में टैबलेट की मांग में पिछले वर्ष की तुलना में 104.5 प्रतिशत की भारी वृद्धि थी।सरकार द्वारा फंडेड शिक्षा परियोजनाओं ने इस वृद्धि को बढ़ावा दिया, जबकि वेरी लार्ज बिजनेस (वीएलबी) सेगमेंट में पिछले वर्ष की तुलना में 9.9 प्रतिशत की गिरावट आई। आईडीसी इंडिया और दक्षिण एशिया के शोध विश्लेषक प्रियांश तिवारी ने कहा, एंड्रॉइड टैबलेट में बेहतर कैमरे, सॉफ्टवेयर अपडेट और ऐप इंटीग्रेशन के साथ, टैबलेट कम प्रोडक्टिविटी और मनोरंजन के लिए पसंदीदा डिवाइस बन रहे हैं और पीसी खरीदारों के एक खास वर्ग को आकर्षित कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैमसंग 2024 में भारतीय टैबलेट बाजार पर हावी रहा, जिसने कुल मिलाकर 42.6 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की।

शेयर बाजार: सेंसेक्स-निफ्टी खुलते ही धड़ाम, निवेशकों के 6 लाख करोड़ हुए स्वाहा

मुंबई । कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक भारी गिरावट के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक और मेटल सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.34 बजे सेंसेक्स 840.82 अंक या 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,771.61 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 254.15 अंक या 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,290.90 पर कारोबार कर रहा था। आज की गिरावट में निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूब गए हैं।

निफ्टी बैंक 439.75 अंक या 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,304.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 994.75 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,142 पर कारोबार कर

रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 320.25 अंक या 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,836.35 पर था।

विशेषज्ञों के अनुसार, बेंचमार्क इंडेक्स के लिए पिछले तीन सेशन कुछ खास नहीं रहे हैं, जैसा कि स्मॉल-बॉडिड कैंडलस्टिक फॉर्मेशन द्वारा संकेत मिला था। कीमत में मामूली बदलाव लगातार मंदी की भावना का संकेत देते हैं, जिससे मार्केट पार्टिसिपेंट्स को सतर्क रुख अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। एंजेल वन के तकनीकी और डेरिवेटिव शोध प्रमुख समीत चव्हाण ने कहा, आगे बढ़ते हुए, हमें वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति सतर्क रहना चाहिए, जो घरेलू बाजारों के लिए शुरूआती रुख तय करने में 'कैटालिस्टइ की भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, हमें बाजार में गति लौटने तक आक्रामक दांव लगाने से बचना चाहिए। इस बीच, सेंसेक्स पैक में रिलायंस, आईटीसी, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डाउ जोन्स 0.45 प्रतिशत गिरकर 43,239.50 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.59 प्रतिशत गिरकर 5,861.57 पर और नैस्डैक 2.78 प्रतिशत गिरकर 18,544.42 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, सोल, चीन, जापान, बैंकॉक, जकार्ता और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार छठे दिन बिकवाली जारी रखी और 27 फरवरी को 556.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 1,727.11 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत की रिटेल मार्केट 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपये की होगी : रिपोर्ट

मुंबई । दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बना सकता है। इसके साथ ही देश की खपत में भी इजाफा होगा और यह 2034 तक बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में खपत अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। यह इस क्षेत्र की मजबूती और गति को दशार्ता है।

बीते एक दशक में भारत का रिटेल मार्केट 35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 82 लाख करोड़ रुपये का हो गया है, जो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत की गति को दिखाता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक और सीनियर पार्टनर, अभीक सिंघी ने कहा कि अगले दशक में इसके 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है

और यह सभी को अच्छे अवसर प्रदान करेगा। 2035 तक कई ट्रिलियन रुपये टर्नओवर वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए कई अवसर हैं। अनुमान है कि 2030 तक संपन्न परिवारों की संख्या तीन गुनी हो जाएगी, जिससे प्रीमियम और लक्जरी खुदरा क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे, जबकि आम उपभोक्ता वर्ग प्रमुख उपभोक्ता आधार बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि कभी-कभी तीव्र अस्थिरता के दौर के बावजूद सेक्टर की ग्रोथ मजबूत बनी हुई है। संगठित खुदरा क्षेत्र लगातार बाजार में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है। महिलाओं की भागीदारी बीते पांच वर्षों में दोगुनी हुई है और पुरुषों एवं महिलाओं में अंतर कम हुआ है। इससे महिला केंद्रित कैटेगरी जैसे ब्यूटी, पर्सनल केयर और फैशन में वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि जेन जेड और मिलेनियल्स बड़े उपभोक्ता समूह हैं, जिसके कारण उनकी वैल्यू और डिजिटल-फर्स्ट आदतों के साथ तालमेल बिठाना जरूरी हो जाता है। इस बीच अगले दशक में 45 प्लस आयु वर्ग सबसे बड़ा समूह बन जाएगा, जिससे उपभोक्ता स्वास्थ्य सहित कई नए ट्रेंड उभरेंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि ऑनलाइन शॉपिंग की पहुंच 50 प्रतिशत तक पहुंचने के बावजूद 58 प्रतिशत लोग खरीदारी के लिए पूरी तरह से ऑफलाइन तरीके पर निर्भर हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में बंजारा संस्कृति का भव्य अनावरण

नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपील की है कि वे बंजारा समुदाय के कल्याण पर ध्यान दें, जिसने भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने समुदाय की समस्याओं का अध्ययन कर व्यापक कल्याणकारी योजनाएँ लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह बातें 28 फरवरी को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में संत सेवालाल महाराज की 286वीं जयंती और रूप सिंह महाराज की 518वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं।

इस कार्यक्रम का आयोजन सेवालाल महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ के सहयोग से किया गया था। ओम बिरला ने कहा कि भले ही लंबानी/बंजारा समुदाय पूरे देश में फैला हुआ है, लेकिन उनकी भाषा, परंपराएँ और जीवनशैली एक समान हैं। फिर भी, विभिन्न राज्यों में उन्हें अनुसूचित जाति (एस सी), अनुसूचित जनजाति (एस टी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ बी सी) के रूप में अलग-अलग वर्गीकृत किया जाता है, जिससे वे अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने इस वर्गीकरण को समाप्त कर सभी बंजारों को समान अधिकार देने के लिए एक विशेष रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया।उन्होंने आगे कहा कि संत सेवालाल महाराज ने भारत के आध्यात्मिक, धार्मिक और सामाजिक क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान दिया है। बंजारा समुदाय ने भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने और पर्यावरण की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, भले ही उन्हें कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करना पड़ा हो।

देशभर के मुख्यमंत्री बंजारा समुदाय के समग्र विकास के लिए योजना बनाएं: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

बंजारा युवाओं को नेतृत्व में आगे आने की अपीलओम बिरला ने यह भी याद दिलाया कि उन्हें राजस्थान के कोटा संसदीय क्षेत्र में बंजारा समुदाय के समर्थन से जीतने का अवसर मिला था। उन्होंने समुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बंजारा युवाओं को नेतृत्व संभालने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए पलायन को कम करने के लिए समुदाय के लोगों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस, जो सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं, को बंजारा कला रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बंजारा संगीत को लोकप्रिय बनाने के लिए दिया गया।पूर्व सांसद और अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ के अध्यक्ष उमेश जाधव ने कहा कि दिल्ली में संत सेवालाल जयंती समारोह बीते 6 वर्षों से मनाया जा रहा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अपील की कि दिल्ली में बंजारा समाज के सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए 3-4 एकड़ भूमि आवंटित की जाए। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि यदि जमीन मिलती है, तो समुदाय के सहयोग से बंजारा भवन का निर्माण किया जाएगा। अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ के अध्यक्ष शंकर पवार ने कहा कि भारत में लगभग 14 करोड़ (140 मिलियन) बंजारा समुदाय के लोग हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से बंजारा भाषा को संवैधानिक मान्यता देने की मांग की। उन्होंने दिल्ली में बंजारा भवन के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की भी अपील की। साथ ही, उन्होंने सरकार से वरिष्ठ बंजारा नेता डॉ. उमेश जाधव को विशेष दर्जा देने की मांग की, जिससे समुदाय को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

बंजारा समुदाय के लिए समान आरक्षण नीति लागू करने की अपील

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय राठौड़ ने कहा कि बंजारा समुदाय को पूरे देश में समान अधिकार और आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में बंजारों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्क्रष्ट) में रखा गया है, कर्नाटक में अनुसूचित जाति (स्ष्ट) में, और अन्य राज्यों में अलग-अलग वर्गीकरण किया गया है, जिससे वे समान लाभ नहीं ले पाते। उन्होंने "एक राष्ट्र, एक वर्ग, एक आरक्षण" नीति अपनाने की अपील की, जिससे बंजारों को समान अधिकार मिल सके।

बंजारा संस्कृति की भव्य झलक

इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए बंजारा समुदाय के लोग शामिल हुए और बंजारा लोकनृत्य समूहों ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रसिद्ध लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिनमें शामिल थेः सावित्रीबाई लामाणी (गदग, कर्नाटक), नेमी राज नायक और ललिता जाधव (बसवकल्याण), महांतेश लामाणी और लंगी ग्रुप (गदग), भरत नायक एवं टीम (कलबुर्गी), और कार्यक्रम का संचालन काशीनाथ बिरादर, राम राठौड़ और श्वेता त्यागी ने किया।

एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने किया पुष्पोत्सव 2025 का शुभारंभ

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। सम्राट मिहिर भोज पार्क (सिटी पार्क) एक बार फिर बसंत ऋतु में रंग-बिरंगे फूलों की खूबसूरती से जगमगा उठा है। शुक्रवार को एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस

▶▶ बसंत ऋतु में एक बार फिर रंग-बिरंगे फूलों से सजा ग्रेटर नोएडा का सिटी पार्क

▶▶ 28 फरवरी से 2 मार्च तक खुलेगी सभी के लिए पुष्प प्रदर्शनी

अवसर पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, उद्यानिकी विभाग के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुष्प प्रदर्शनी आज से 2 मार्च तक सभी के लिए खुली रहेगी, जहां आकर्षक फूलों की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी।

अपने संबोधन में एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रेटर नोएडा शहर किसानों की पुण्य भूमि पर बसा है, जहां उद्योगों को फलने फूलने का अवसर मिला है। इस वर्ष का पुष्पोत्सव का थीम गेंदा फूल (मैरीगोल्ड) है, जो सकारात्मक तथा शांति का प्रतीक है। उन्होंने सभी सम्मानित नागरिकों को इस पुष्प प्रदर्शनी में भाग लेकर इसे भव्य बनाने के लिए अपील की है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी पुष्पोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस के मार्गदर्शन में उद्यानिकी विभाग की टीम कई सप्ताह से इसकी तैयारियों में जुटी थी। सम्राट मिहिर भोज पार्क में लगभग 5 एकड़ में फूलों की विभिन्न प्रजातियां, खूबसूरत पुष्प डिजाइन, लैंडस्केपिंग और सजावट की गई है। पुष्पोत्सव के दौरान लाइव संगीत, नृत्य-कला, नुक्कड़ नाटक, फोटोग्राफी और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। तीनों दिन शाम 7 से 9 बजे तक विशेष लाइट एंड साउंड शो प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षणों में फूलों से बनी भगवान बुद्ध की प्रतिमा, इंडिया गेट का मॉडल तथा पशु-पक्षियों के फूलों से बने मॉडल शामिल हैं। पुष्प प्रदर्शनी में फूल, सजावटी पौधे, बीज, गमले और अन्य बागवानी उत्पादों की 65 से अधिक दुकानें लगाई गई हैं, जहां लोग अपनी पसंद के फूल और पौधे खरीद सकते हैं। इस आयोजन में हॉर्टिकल्चर से जुड़े विशेषज्ञ, संगठन, सोसाइटी और कंपनियां बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सिटी पार्क रात 9 बजे तक खुला रहेगा। प्रदर्शनी से संबंधित अधिक जानकारी के लिए 9205691109, 8800300036 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।पुष्पोत्सव के दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष यातायात प्रबंधन योजना लागू की गई है, जो शुक्रवार से 2 मार्च तक प्रभावी रहेगी। आगंतुकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें।

पुष्पोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अनेक उद्यान विभाग के प्रभारी निदेशक नथोली सिंह, सहायक निदेशक बुद्ध विलास, प्रबंधक पवन कुमार, सहायक प्रबंधक गौरव बघेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एएसीएसबी टीम का किया भव्य स्वागत - वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर बढ़ाया एक महत्वपूर्ण कदम

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया विश्वविद्यालय को इस बात पर बहुत गर्व है कि उसने प्रतिष्ठित एएसीएसबी (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस) टीम की मेजबानी की। यह यात्रा विश्वविद्यालय की वैश्विक शिक्षा मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित एएसीएसबी प्रतिनिधियों-डॉ. जियोफ पेरी, सोफिया पोह और प्रथाप दास- का स्वागत करने का गौरव प्राप्त हुआ। उन सभी प्रतिनिधियों के बहुमूल्य सुझावों और महत्वपूर्ण मार्गदर्शन ने गलगोटिया विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुनील गलगोटिया, सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया और संचालन निदेशक आराधना गलगोटिया ने एएसीएसबी टीम का बहुत ही गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने एएसीएसबी टीम के

मार्गदर्शन को विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक बताया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री सुनील गलगोटिया ने कहा, ह्लहमें एएसीएसबी टीम की इस महत्वपूर्ण यात्रा से अत्यधिक सम्मान प्राप्त हुआ है। उनकी गहन अंतर्दृष्टि और रणनीतिक सुझाव हमारे अकादमिक ढांचे को और मजबूती प्रदान करेंगे। उनके महत्वपूर्ण सुझाव हमारे पाठ्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने, संकाय विकास को सुदृढ़ करने और छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने में सहायता करेंगे।

विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि गलगोटिया विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक ऐसा शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है जो वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप हो और छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की चुनौतियों के लिए तैयार करे। एएसीएसबी टीम का यह दौरा हमारी अंतरराष्ट्रीय मान्यता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। गलगोटियास विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार और उद्योग-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। एएसीएसबी टीम का यह दौरा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के हमारे प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा।विश्वविद्यालय एएसीएसबी टीम के बहुमूल्य योगदान के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता है और उनके महत्वपूर्ण सुझावों को लागू करने के लिए तत्पर है, जिससे हम वैश्विक प्रत्यायन के अपने लक्ष्य की ओर लगातार अग्रसर रहेंगे।

के. ए. पॉल और सीएम स्टालिन ने भाजपा की परिसीमन नीति के खिलाफ हुए एकजुट

नई दिल्ली । देश में लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर मंडरा रहे खतरे को देखते हुए प्रजा शांति पार्टी के अध्यक्ष डॉ. के. ए. पॉल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भाजपा सरकार की परिसीमन नीति के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि यह योजना दक्षिण भारतीय राज्यों की राजनीतिक आवाज दबाने और उन्हें हाशिए पर धकेलने की साजिश है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताते हुए विपक्षी दलों से अपील की है कि वे इससे पहले कि देर हो जाए, एकजुट होकर विरोध दर्ज करें। अगर भाजपा की प्रस्तावित परिसीमन योजना लागू होती है, तो देश की राजनीतिक संरचना असंतुलित हो सकती है। यह योजना कुछ क्षेत्रों का प्रभाव बढ़ाने और दूसरों की राजनीतिक भागीदारी सीमित करने की दिशा में बढ़ रही है, जबकि वे राज्य जिन्होंने अर्थव्यवस्था, शिक्षा और सामाजिक विकास में अहम योगदान दिया है, उनके प्रतिनिधित्व को कमजोर किया जा सकता है। डॉ. पॉल ने इस कदम को भाजपा का राजनीतिक हथियार करार देते हुए कहा, "यह परिसीमन नहीं, भेदभाव है। राज्य जिन्होंने प्रभावी रूप से जनसंख्या नियंत्रण किया है, उन्हें अब नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि अधिक जन्म दर वाले राज्यों को बढ़ी हुई सीटों से पुरस्कृत किया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर हमला करार देते हुए कहा कि इस नीति से देश की राजनीतिक संरचना असंतुलित हो जाएगी और सत्ता एक पक्ष में सिमटकर रह जाएगी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के साथ नई दिल्ली में भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय क्लस्टर बैठक में शामिल हुए।

मिल की वादाखिलाफी से कर्मचारी नाराज, मंगलवार को कर्मचारी फिर करेंगे हड़ताल

जनता की खोज

हापुड़ । सिंभावली शुगर मिल के प्रबंधन तंत्र की वादाखिलाफी से मिल कर्मचारी नाराज है। शुक्रवार को मिल कर्मचारीयों का एक

▶▶ कर्मचारियों का ऑफ सीजन का रिटेनर का करीब ढाई करोड़ बकाया का आरोप

▶▶ सोमवार तक भुगतान करने की दी चेतावनी

प्रतिनिधिमंडल मुख्य महाप्रबंधक से मिला और सोमवार तक भुगतान नहीं होने पर हड़ताल करने की चेतावनी दी है। बता दें कि 15 फरवरी को मिल कर्मचारी अपने बकाया भुगतान को लेकर हड़ताल पर बैठ गए थे।दस घंटे लगातार धरने पर रहने पर चीनी मिल का कार्य बाधित हो गया था। उसके बाद 28 फरवरी को भुगतान देने के आश्वासन पर धरना समाप्त किया गया था।मिल कर्मचारी सुदेश ने बताया कि कर्मचारियों का ऑफ सीजन का रिटेनर का करीब ढाई करोड़ बकाया है। चीनी मिल का पेराई सत्र समाप्त होने की तरफ है।इसके बावजूद भी बकाया भुगतान के लिए कर्मचारियों को टरकाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिल के मुख्य महाप्रबंधक करन सिंह से मुलाकात कर सोमवार तक भुगतान करने का आग्रह किया गया है।अन्यथा की स्थिति में कर्मचारी मंगलवार को हड़ताल कर चीनी मिल को बंद कर देंगे। इस मौके पर पवन त्यागी, नरेश यादव, हरेंद्र, पवन कुमार आदि थे। शुगर मिल मुख्य महाप्रबंधक करन सिंह ने बताया कि कर्मचारियों के बकाया भुगतान को एक सप्ताह में कराए जाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। कर्मचारियों को किसी तरह की समस्या ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान द्वारा सीएमई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जीआईएमएस) ने 28 फरवरी 2025 को एक सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया, यह कार्यक्रम बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) और अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य सेवा में बहु-विषयक अनुसंधान नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया था। सीएमई का उद्देश्य शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संगठनों के विशेषज्ञों को ज्ञान का आदान-प्रदान करने, उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा करने और सटीक चिकित्सा, निदान और चिकित्सीय में अभिनव समाधानों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में साझेदारी को मजबूत करने और रोगी देखभाल परिणामों में सुधार करने और भारत में स्थायी स्वास्थ्य देखभाल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस घटना को डॉ. नीलिमा मिश्रा, निदेशक, राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), जिन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सीएमई ने डॉ. जीआईएमएस के अनुसंधान एवं विकास प्रमुख विवेक गुप्ता ने इसके बाद यूपीसीएसटी के पूर्व संयुक्त निदेशक श्री एस एम प्रसाद द्वारा राष्ट्रीय विकास में भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर एक उद्घाटन मुख्य भाषण दिया। प्रो. डॉ. जगन्नाथ जयपुर स्टारेक्स विश्वविद्यालय के कुलपति मदन मोहन गोयल ने स्थायी स्वास्थ्य सेवा के लिए नीडोनोमिक्स दृष्टिकोण पर एक विचारोत्तेजक सत्र दिया। डॉ (ब्रिग) राकेश गुप्ता, निदेशक, जीआईएमएस, ने बुनियादी विज्ञान और नैदानिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने में बहु-विषयक सहयोग के महत्व पर जोर दिया, जबकि अनुसंधान बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश

डाला।वैज्ञानिक सत्रों में डॉ. सहित विशिष्ट वक्ताओं को शामिल किया गया। तनु आनंद (वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर-डीएचआर), जिन्होंने बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) योजना का अवलोकन प्रदान किया। डॉ. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स से फरहा दीबा ने उफ्रफ्रढफ/उं२९ तकनीक और सेल लाइन नॉकआउट तकनीकों में अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की, जबकि डॉ। शोकेट हुसैन (वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर-एनआईसीपीआर) ने गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोजेनेसिस पर आणविक अपडेट पर चर्चा की।दो महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चा आयोजित की गई - स्वास्थ्य सेवा में बहु-विषयक अनुसंधान को एकीकृत करनाः चुनौतियां, नवाचार और अवसर, डॉ (ब्रिग) राकेश गुप्ता, एस एम प्रसाद, डॉ तनु आनंद, डॉ सौरभ श्रीवास्तव, डॉ विवेक गुप्ता, डॉ. हरीश चंद्र और उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ाना, जिसमें क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ शामिल थे, जिसकी अध्यक्षता डॉ. शौकत हुसैन, डॉ. रोशन लाल, डॉ विजय कुमार, डॉ. ताशफीन अशरफ, डॉ. प्रदीप तोमर, और डॉ. मोहित सैनी ने की। इस कार्यक्रम में एमआरयू के लिए मूल्यवान संपत्ति के रूप में ऑप्टिकल जीनोम मैपिंग और जीनचिप 3000 डीएक्स प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया, जिसे डॉ। विवेक गुप्ता। वैज्ञानिक प्रवचन डॉ. द्वारा सत्रों के साथ समाप्त हुआ। रितु शर्मा, प्रोफेसर और प्रमुख, स्त्री रोग विभाग, श्रम और प्राथमिक कष्टार्तव में ट्रांसक्यूटेनियस इलेक्ट्रिक तंत्रिका उत्तेजना पर, और डॉ। सौरभ श्रीवास्तव, नोडल एमआरयू, चयापचय विकारों में सर्कैडियन लय की उभरती भूमिका पर। इस कार्यक्रम ने एक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के माध्यम से युवा शोधकर्ताओं को भी मान्यता दी। पहला पुरस्कार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गाज़ियाबाद से आर्यन चौहान को, दूसरा पुरस्कार सरकारी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से अदिति अग्रवाल को और तीसरा पुरस्कार आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा से संदीप सिसोदिया को दिया गया। सीएमई ने युवा शोधकर्ताओं को एक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के माध्यम से प्रोत्साहित किया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस आयोजन ने बहु-विषयक सहयोग को मजबूत करने और समकालीन स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

ग्रेनो पब्लिक स्कूल का वार्षिक महोत्सव हुआ सम्पन्न

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो पब्लिक स्कूल गुनपुरा के आठवे वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ज़िलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा बीएसए राहुल पवार यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेन्द्र भाटिया एवं ओएसडी शैलेन्द्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री जावेद अब्बदी पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर यमुना प्राधिकरण के ओएसडी मेहराम सिंह विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया एवं गौतमबुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की इस संबंध में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों द्वारा शानदार सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया है ऐसे कार्यक्रम बच्चों में उत्साह भरने का काम करते हैं सभी माता पिताओं को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलानी चाहिए और सभी को मन लगाकर पढ़ना चाहिए तभी देश तरक़्क़ी करेगा और आपका गाँव परिवार और क्षेत्र भी तरक़्क़ी करेगा बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है शिक्षा के क्षेत्र में जितना संभव हो सकेगा हर बच्चे की मदद करने का काम करेंगे शिक्षा सभी का अधिकार है यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने कहा कि एक बच्चे के शिक्षित होने में उसकी माँ का बड़ा योगदान होता है बच्चे की पहली पाठशाला माता पिता होते हैं जिसमें गुरुओं का बड़ा योगदान होता है सभी को अपने अचीवमेंट पाने के लिए बड़े सपने देखने होंगे तब आप आगे जाकर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे पूर्व मंत्री जावेद आब्दी एवं पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने भी बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की एवं शुभकामनाएं प्रेषित की कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर विकास प्रधान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम में समय देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि स्वर्गीय नेताजी जतन भाटी ने जो सपना शिक्षा के क्षेत्र में देखा था

उसको निरंतर आगे बढ़ाने का काम करेंगे और क्षेत्र की बेहतरीन के लिए स्कूल के डायरेक्टर लखन भाटी एवं प्रिंसिपल संगीता झा सहित उनकी टीम लगातार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत मेहनत कर रहे हैं उच्च शिक्षा दिलाना ही हमारी प्राथमिकता है इस मौके पर सुखबीर प्रधान जी वेद प्रधान नेमवीर सरपंच नासिर प्रधान अमन ठाकुर लोकेश भाटी कृष्ण नागर आलोक नागर शुभम चेची भारत नागर नरेंद्र भाटी मनीष खारी रमेश कसाना मनीष नागर अनुज नागर नितिन अवाना गोलू तंवर छोटू प्रधान सतीश नागर सीपी सोलकी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे !

एनपीसीएल उपभोक्ताओं के लिए शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे कैश काउंटर

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बिजली बिल जमा करनेवाले उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए तुगलपुर, नॉलेज

1 मार्च से 31 मार्च तक सुबह 10 से शाम 4.30 बजे तक बिल जमा कराने की सुविधा

पार्क 1 में स्थित एनपीसीएल दफ्तर में कैश काउंटर 1 मार्च से 31 मार्च तक प्रत्येक शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे। एनपीसीएल के उपभोक्ता पूरे मार्च महीने में शनिवार और रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4.30 बजे तक तुगलपुर स्थित दफ्तर पहुंचकर अपने बिल की राशि जमा करा सकते हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एनपीसीएल दफ्तर का कैश काउंटर पूरे मार्च महीने में छुट्टी के दिन भी खुला रहेगा।

सिर्फ 14 मार्च को होली के दिन ही एनपीसीएल का तुगलपुर दफ्तर बंद रहेगा। आगामी एक अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष शुरू हो जाएगा और एनपीसीएल ने इसे देखते हुए मार्च में बिजली बिल का ज्यादा से ज्यादा भुगतान वसूलने का लक्ष्य रखा है।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वाधान में विजय सिंह पथिक स्टेडियम में हुआ कार्यक्रम, प्रतिभाशाली छात्र छात्रों को किया गया सम्मानित

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। दो दिवसीय कार्यक्रम क्रांतिवीर महान स्वतंत्रता सेनानी प्रबुद्ध लेखक प्रगतिशील विचारक प्रतिभाशाली कवि प्रखर पत्रकार निर्भीक क्रांतिकारी सफल जन आंदोलनकारी कुशल संगठन करता संपादक ओजस्वी वक्ता राजस्थान के जनक विजय सिंह पथिक का 144 वा जन्मदिवस बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ विजय सिंह पथिक स्टेडियम ग्रेटर नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वाधान में विशाल रूप में मनाया गया कार्यक्रम की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर यशवीर सिंह ने की। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी कार्यक्रम संयोजक एवं अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कार्यक्रम संचालन करता अधिवक्ता राजकुमार नागर ने किया अनेक स्कूलों के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक एवं देश भक्ति से प्रेरित गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनेक स्कूलों के बच्चो की दौड़ की और रस्सी कस्सी की प्रतियोगिता का आयोजन किया और प्रथम,दितीय, तृतीय आये बच्चो को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया गया गुर्जर समाज के सभी प्रतिभाशाली बच्चे जो खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले उनको प्रशस्ति प्रमाण पत्र और मोमेंटो से सम्मानित किया गया ।

गुर्जर समाज के लोगों ने गौतमबुद्धनगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार और धर्मवीर सिंह को पुष्प और शॉल , मोमेंटो दे कर सममित किया गया इसके अलावा कंगना कसाना नेशनल खिलाड़ ताइक्वांडो और गोल्ड मैडलिस्ट को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में उपस्थित रहे दिनेश गुर्जर , ज़िले सिंह, शेर सिंह भाटी, इलम सिंह नागर, अजीत मुखिया , सुनील भाटी (कठेरा), अशोक भाटी , रामशरण नागर, ममता भाटी , ज्योति सिंह , सविता गुर्जर , नूतन भाटी , मानवीर नागर , शिवम् मावी, बलबीर आर्य , नीतीश नागर मौजूद रहे।

गांव व स्कूल के छात्रों में जागरूकता फैलाने के लिए 100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत बिरौंडा जूनियर हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। गांव व स्कूल के छात्रों में जागरूकता फैलाने के लिए 100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत बिरौंडा जूनियर हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ` 100 दिनों टीबी अभियान के अंतर्गत आज दिनांक को बिरोंडा के जूनियर हाईस्कूल विद्यालय में टीबी बीमारी से सम्बंधित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और बच्चो को टीबी के लक्षण , उपचार , रोकथाम और जाँच के बारे में जानकारी दी गयी । प्रतियोगिता में जिम्स हॉस्पिटल की पल्मोनरी विभाग की विभागाध्यक्ष डाक्टर रश्मि अक्षयता गुप्ता,डॉट्स सेंटर इंचार्ज गौरव प्रधानाध्यापक और समस्त अध्यापक उपाध्याय,मेडिकल ऑफि सर डाक्टर सक्सेना और प्रवीन भाटी , विद्यालय की उपस्थित रहे ।

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल, नोएडा सेक्टर 130 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का हुआ भव्य आयोजन

जनता की खोज

नोएडा। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल,सेक्टर 130, नोएडा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को भव्य रूप से मनाया गया।इस अवसर पर छात्रों द्वारा भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न शाखाओं के वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किए गए, जो उनकी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को दशार्ते हैं।इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि अभिषेक पांडे और दिनेश , जो प्रसिद्ध उद्यमी और उद्योगपति हैं, के साथ-साथ इरम फातिमा, (प्राथमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और शिक्षकों की मेहनत व समर्पण की प्रशंसा की, जिन्होंने इस विज्ञान प्रदर्शनी को सफल बनाया।इस आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण नासा/एनएसएस स्पेस सेटलमेंट प्रोग्राम में भाग लेने वाले छात्रों का सम्मान था। इन छात्रों ने "स्पेस में स्वस्थ जीवन" विषय पर अपनी परियोजना प्रस्तुत की, जिसने उत्तर प्रदेश जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथियों ने इन होनहार विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया, जिससे उनकी उपलब्धि को मान्यता मिली।यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य इश्राक, क्षेत्रीय प्रभारी डॉ. परवेज अहमद और डीन लक्ष्मी नारायण के कुशल नेतृत्व और विद्यालय के शिक्षकों के सहयोग से पूरी तरह सफल रहा। उनकी मेहनत और समर्पण ने इस आयोजन को प्रेरणादायक और संगठित बनाया। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में आयोजित इस राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह ने छात्रों में वैज्ञानिक खोज की भावना को प्रज्वलित किया और अनुसंधान व नवाचार के महत्व को मजबूत किया, जो भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जीएनआईएम में बीबीए और बीकॉम विभाग में रंगोली उत्सव का हुआ आयोजन

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जीएनआईएम) में बीबीए और बी.कॉम विभाग ने अध्यक्ष सर बी.एल गुप्ता के मार्गदर्शन में एक जीवंत और रचनात्मक कार्यक्रम "रंगोली उत्सव" का आयोजन किया।छात्रों ने सुंदर और रंगीन रंगोली डिजाइन बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक रंगोली में अद्वितीय विषयों को दशार्या गया है, जिसमें सांस्कृतिक रूपांकनों, उत्सव के पैटर्न और रचनात्मकता और टीम वर्क को दशार्या गया है। इस आकर्षक गतिविधि ने छात्रों को एकजुटता की भावना का जश्न मनाते हुए अपनी कल्पना, समन्वय और कलात्मक कौशल व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर (डॉ.) अन्नू बहल मेहरा, डॉ. सुशांत पांडे, डॉ. ज्वाला देवी और डॉ. साधना शुक्ला के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया गया। उनके समर्थन ने रचनात्मकता, उत्साह और सीखने से भरा माहौल सुनिश्चित किया।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने AACSB प्रत्यायन के लिए आवेदन किया, क्षेत्रीय प्रमुख और टीम ने किया कैंपस का दौरा

जनता की खोज

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस प्रत्यायन के लिए आवेदन किया है और इस प्रक्रिया के तहत अअउरइ अधिकारियों का सफल दौरा आयोजित किया। इस टीम में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रताप दास, कार्यकारी उपाध्यक्ष, मुख्य सदस्यता अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, अअउरइ इंटरनेशनल- डॉ. जिओफ पेरी (एशिया पैसिफिक) और प्रत्यायन प्रबंधक सोफिया पोह शामिल थे। AACSB प्रतिनिधियों ने यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संकाय सदस्यों और छात्रों से मुलाकात की और प्रत्यायन प्रक्रिया तथा इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रत्यायन बिजनेस स्कूलों की विश्वसनीयता को बढ़ाता है और उद्योग जगत से उनकी प्रासंगिकता को मजबूत करता है।डॉ. जिओफ पेरी ने कहा, "AACSB बिजनेस स्कूलों की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस प्रत्यायन के जरिए पाठ्यक्रम की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है, शिक्षण पद्धतियों में सुधार होता है और छात्रों, शिक्षकों एवं उद्योग जगत के बीच नेटवर्किंग के अवसर बढ़ते हैं। इस प्रमाणन के बाद बिजनेस स्कूल के छात्रों के नौकरी पाने की संभावना 96% तक बढ़ जाती है, वहीं संस्थान की प्रतिष्ठा और नामांकन दर भी बेहतर होती है।"इस सफल दौरे के आयोजन पर चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने कहा, "हम अपने संस्थान की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं और विद्वानों एवं संगठनों के साथ सीखने और सहयोग करने के लिए तत्पर रहते हैं।"वहीं, प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज ने ठक्व द्वारा हाल ही में प्राप्त NAAC A+ प्रत्यायन का उल्लेख करते हुए कहा, "हम अपने शिक्षकों का सम्मान करते हैं और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने छात्रों की समस्या-समाधान क्षमता, प्रतिबद्धता और शिक्षाविदों में उनकी भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "हम छात्रों को भरपूर अवसर देते हैं, लेकिन उन अवसरों का सही उपयोग करना उनके ऊपर निर्भर करता है।" इस दौरे में डॉ. विक्रम सिंह (चांसलर), प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज (कुलपति), डॉ. मुकेश पराशर (रजिस्ट्रार), डॉ. एस. के. वर्मा (डीन, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट), डॉ. तान्या सिंह (डीन, अकादमिक) और डॉ. टी. ए. वानी (डीन, अनुसंधान एवं विकास) उपस्थित रहे।AACSB प्रत्यायन की दिशा में उठाए गए इस कदम से ठक्व के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। इससे छात्रों, शिक्षकों और उद्योग जगत के लिए नेटवर्किंग और सहयोग के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे सभी को सकारात्मक लाभ मिलेगा।

श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज में किया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज, दनकौर में महाविद्यालय के सचिव रजनीकान्त अग्रवाल व प्राचार्य डॉ0 गिरीश कुमार वत्स जी के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 के0पी0 सिंह जी (सेवा निवृत्त प्राचार्य) डी0पी0बी0एस0 (पी0जी0) कॉलिज, अनूपशहर, (बुलन्दशहर) उपस्थित रहें। जिसमें मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान में ह्यह्यरमन प्रभाव, प्रकाश प्रकीर्णन और सुपर कंडेवटिविटीह्ल विषय पर छात्र/छात्राओं से विस्तृत चर्चा की। साथ ही कहा कि आज विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर हमें विज्ञान की शक्ति और इसके हमारे जीवन में पड़ने वाले प्रभाव को समझने का अवसर मिलता है। विज्ञान ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, हमें नई चीजें सीखने का मौका दिया है और हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 गिरीश कुमार वत्स जी ने छात्र/छात्राओं में जिज्ञासा और विज्ञान को एक दूसरे का पूरक बताया। उपप्राचार्य डॉ0 रश्मि गुप्ता ने सी0बी0 रमन जी का संक्षिप्त जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के सहायक आचार्यगण डॉ0 देवानन्द सिंह (विभागाध्यक्ष, कला विभाग) डॉ0 अनुज भड़ाना, डॉ0 सूर्य प्रताप राघव, डॉ0 रेशा, अमित नागर, महींपाल सिंह, डॉ0 प्रशान्त कन्नौजिया व छात्र/छात्राओं ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ एवं छात्र/छात्राऐं उपस्थित रहें।

जेवर विधायक ने जनपद के किसानों को मिलने वाले आबादी के भूखंडों का मुद्दा विधानसभा में उठाया

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जनपद की तीनों ही प्राधिकरणों द्वारा अधिग्रहित की गई किसानों की जमीनों की एवज में मिलने वाले आबादी भूखंडों का मुद्दा आज उत्तर प्रदेश विधानसभा में उठाया। नियम 51 के तहत जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मंत्री जी से पूछा कि "वर्ष 2003 से लेकर 2009 तक किसानों की अधिग्रहीत की गई जमीनों की एवज में किसानों के बच्चों के जीवन यापन हेतु उनके आबादी के भूखंड कब तक मिल जाएंगे।" जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह विधानसभा में यह भी कहा कि "किसानों की जमीनों पर बड़ी-बड़ी इमारतें और उद्योग धंधे स्थापित हो चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी तक आबादी के भूखंड नहीं मिल पाए हैं।"

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक, रऊफ अहमद सिद्दकी द्वारा सागर प्रिंट ओपेक बी 46 सेक्टर 5 नोएडा गौतबुद्धनगर से छपवाकर कार्यालय वी-19, सेक्टर 5 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया गया। सभी विवाद का निपटारा न्यायलय गौतमबुद्धनगर से होगा। प्रधान संपादकः इदरीस अहमद (उप सम्पादक राजवीर सिंह) R.N.I No.UPHIN /2012/46072 Email Id :Jantakikhoj2021@gmail.com. web : wwwjantakikhoj.com.

मलाइका अरोड़ा ने लेटेस्ट फोटोज शेयर कर बोल्डनेस की सारी हदें की पार, 51 की उम्र में इंटरनेट पर मचाई सनसनी

अपनी फिटनेस को लेकर अक्सर चचाओं में रहने वाली एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर आते ही अक्सर बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर चचाओं में रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग और हॉट मूव्स देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

मलाइका अरोड़ा ने रेड हॉट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी ये कातिल अदाएं देखकर फैंस भी मंत्रमुग्ध हो गए हैं। खुले बाल को स्ट्रेट लुक कर के, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी स्टाइलिश फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो लोग उनके हर एक स्टाइल को काफी अच्छे से फॉलो करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर मेरे हस्बैंड की बीवी का हुआ बंटाधार, पांचवें दिन जुटाए केवल इतने लाख रुपये

इन दिनों सिनेमाघरों में मेरे हस्बैंड की बीवी लगी हुई है, जो दर्शकों का मनोरंजन करने में असफल साबित होती नजर आ रही है। केवल 5 दिन में इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बंटाधार हो गया है। फिल्म का कारोबार लाखों में सिमटा हुआ है। इस फिल्म के हीरो अर्जुन कपूर हैं। हालांकि, वह अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल नहीं जीत पाए। आइए बताते हैं मेरे हस्बैंड की बीवी का बॉक्स ऑफिस पर पांचवें दिन क्या हाल रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर

सैकनिल्क के मुताबिक, मेरे हस्बैंड की बीवी ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस क्लेक्शन 5.55 करोड़ रुपये हो गया है।

फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत की थी।

दूसरे दिन यह फिल्म 1.65 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 60 लाख रुपये का कारोबार किया था।

मेरे हस्बैंड की बीवी में अर्जुन के साथ रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर भी हैं। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। वाशु भगनानी और उनके बेटे जैकी भगनानी इस फिल्म के निमार्ता हैं। कॉमेडियन हर्ष गुजराल ने इस फिल्म के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म में उन्होंने अर्जुन के दोस्त का किरदार निभाया है। बता दें कि इस फिल्म का अनुमानित बजट 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

रैपर किंग की बहन बनने को तैयार पलक तिवारी, वेब सीरीज के लिए मिलाया हाथ

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी ने साल 2021 में आई वेब सीरीज रोजः द सैफरन चैप्टर के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान (2023) में नजर आई थीं। अब पलक ने पहली बार रैपर किंग से हाथ मिलाया है। दोनों जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसके साथ पलक और किंग के किरदार से भी पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रैपर किंग और पलक जल्द ही एक दिलचस्प वेब

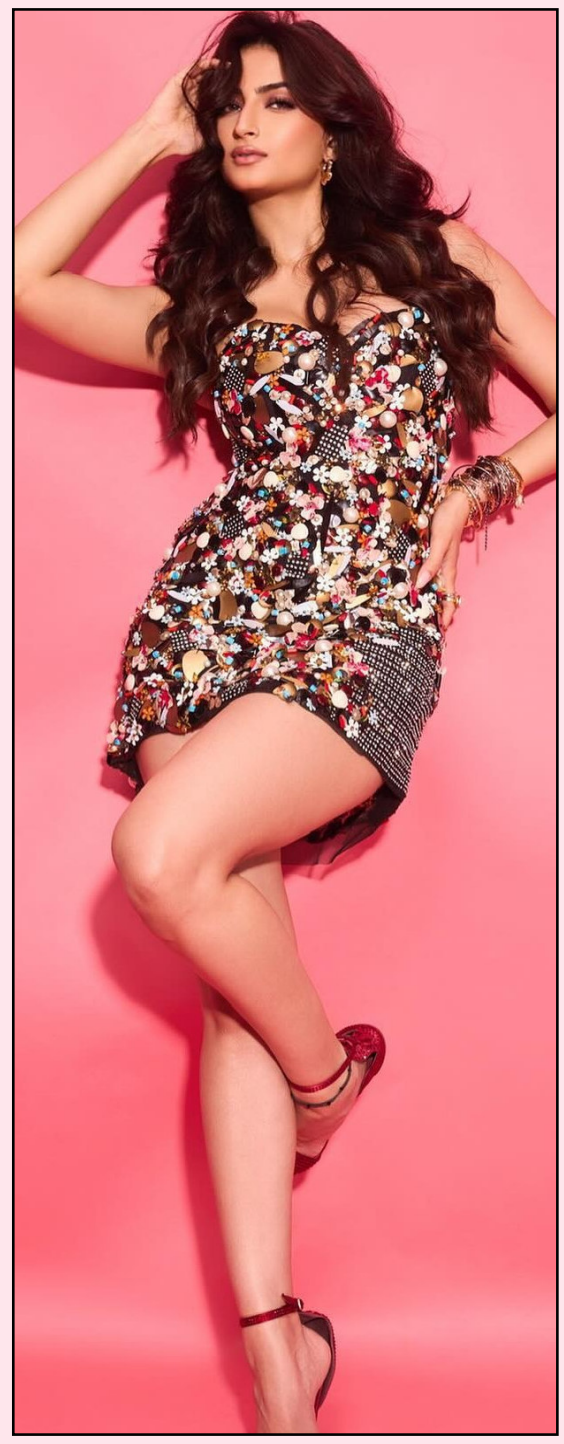

सीरीज में नजर आएंगे। खास बात यह है कि इसमें किंग एक प्रेमी की भूमिका नहीं, बल्कि पलक के भाई के किरदार में दिखाई देंगे।

यह सीरीज 9 भागों में रिलीज होगी। बहलहाल, अभी तक इस सीरीज को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

बता दें कि किंग को घुमशुदा, तू आके देखले, ऊप्स और मान मेरी जान के लिए जाना जाता है। पलक के पास संजय दत्त की फिल्म द भूतनी भी है। फिल्म में उनकी जोड़ी सनी सिंह के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। इसमें मौनी रॉय भी मुख्य भूमिका में होंगी। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

सिद्धांत सचदेव इस फिल्म के निर्देशक हैं। संजय ने इस फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट के साथ किया है। संजय की पत्नी मानयता दत्त फिल्म की सह-निमार्ता हैं।

अब तेलुगु में भी गूंजेगी छावा की दहाड़, गीता आर्ट्स के कंधे पर फिल्म के वितरण का भार

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा ने सिनेमाघरों में धूम मचा रखी है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अब यह ब्लॉकबस्टर फिल्म तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फैसला दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए लिया गया है। फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसे तेलुगु में रिलीज करने की मांग लगातार बढ़ रही है।

तेलुगु में इस फिल्म का वितरण टॉलीवुड का टॉप प्रोडक्शन हाउस गीता आर्ट्स करेगा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फिल्म का वितरण किया जाएगा। इसका प्रीमियर 7 मार्च 2025 से आंध्र प्रदेश के सिनेमाघरों में होगा। जीए 2 पिक्चर्स के नाम 300 से ज्यादा तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी फिल्मों के वितरण का रिकॉर्ड है, जो अब 'छावाइ के साथ अपनी विरासत को आगे बढ़ाएगी। छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म 'छावा सिनेमाघरों में छाई हुई है। फिल्म ने 31 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरूआत की और पहले वीकएंड पर 48.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे वीकएंड पर फिल्म ने 40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अपने शानदार कलेक्शन की बदौलत फिल्म ने 375.65 करोड़ रुपये का अब तक कलेक्शन किया है।

दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित 'छावाइ में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। रश्मिका मंदाना येसुबाई भोंसले की भूमिका में, अक्षय खन्ना औरंगजेब की भूमिका में, डायना पेंटी जीनत-उन-निसा बेगम की भूमिका में, आशुतोष राणा हम्बीराव मोहिते की भूमिका में और दिव्या दत्ता सोयराबाई की भूमिका में हैं। अब यह फिल्म तेलुगु भाषा में रिलीज होगी, जो इसके लिए एक नई सफलता साबित हो सकती है।

अत बन्दे फिल्म प्रोडक्शन और सोहा फिल्म प्रोडक्शन 14 मार्च को करेंगे अपना पंजाबी पॉलीवुड गीत कित्ती ना वफा रिलीज

अत बन्दे फिल्म प्रोडक्शन और सोहा फिल्म प्रोडक्शन अपना पंजाबी पॉलीवुड गीत कित्ती ना वफा रिलीज करेंगे। इस गीत को पंजाबी गायक राहुल पासी ने लिखा कंपोज किया और गाया भी है। इस गीत का म्यूज़िक बॉलीवुड म्यूज़िक डायरेक्टर श्याम पुरबिया जी ने किया है। इस गीत के मुख्य कलाकार अभिनेता मनीष सिंह मनि और अभिनेत्री श्वेता सिंह श्रेया हैं।

इस गीत का निर्देशन द लेजेंड्स आर एम एस अर्थात राहुल पासी, मनीष सिंह मनि और शिवा सीड ने किया है। लाइन प्रोडक्शन विराट सहारनपुरिया जी ने किया।और असिस्टेंट डायरेक्टर गुरमीत दीवान और शैलेश सेम रहे। इस गीत का प्रोडक्शन अत बंदे फिल्म प्रोडक्शन और सोहा फिल्म प्रोडक्शन ने किया है। इस गीत के प्रोड्यूस राहुल पासी और लियाकत अली शेख जी ने किया है। अत बन्दे फिल्म प्रोडक्शन और सोहा फिल्म प्रोडक्शन हाल ही में नए नए कलाकारों को लॉन्च कर रहे है।और आने वाले समय में जल्दी ही सिनेमा के लिए मूवी बनाने जा रहे हैं।जिसमें इछुक कलाकार ऑडिशन देकर काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।